RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 304 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 02-06-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस धरना देगी : ममता बनर्जी

6 प्रश्नपत्र से बड़ा प्रश्न : क्या सुरक्षित हैं हमारी परीक्षाएँ?

7 पेट कम करने के लिए खुद को काफी परेशान किया : तापसी पन्नू

फर्स्ट टेक

कांगो में इबोला के कुल 282 मामले सामने आए

बुनिया (कांगो)/एपी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो में इबोला बीमारी के कम से कम 282 मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि इबोला संक्रमण कांगो के इतुरी प्रांत से फैलना शुरु हुआ, जहां अब तक इसके 264 मामले सामने आ चुके हैं। कांगो में इबोला के वर्तमान स्वरूप बुंडिबुगयो वायरस के 1,000 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए हैं। इस वायरस संक्रमण का अब तक न तो कोई स्वीकृत इलाज है और न ही कोई टीका। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार मुख्य चुनौती संक्रमण की रोकथाम है। मंत्रालय ने कहा कि कुल संक्रमितों में से 45 प्रतिशत लोग दूसरे लोगों के संपर्क में आने के कारण संक्रमित हुए हैं और 220 संदिग्ध मामलों की जांच की जा रही है।

इजराइल ने बेरूत के दक्षिणी उपनगर पर हमले करने का आदेश दिया

बेरूत/एपी। इजराइल सरकार ने सोमवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगर पर हमलों का आदेश दिया जबकि दूसरी ओर हिज्बुल्ला ने हाइफा शहर समेत उत्तरी इजराइल के विभिन्न क्षेत्रों पर रॉकेट दागे। इससे पहले रविवार को इजराइली थलसेना 26 साल में पहली बार लेबनान में काफी अंदर तक घुस गई थी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने एक संयुक्त बयान में कहा कि हिज्बुल्ला की ओर से लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन किए जाने के और इजराइली शहरों व नागरिकों पर हुए हमलों के मद्देनजर उन्होंने इजराइली सेना को बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहिये में हमले करने का आदेश दिया है।

फ्रांसीसी नौसेना ने ब्रिटेन के सहयोग से रूस से आ रहे प्रतिबंधित टैंकर को रोका : मैक्रों

पेरिस/एपी। फ्रांसीसी नौसेना ने ब्रिटेन के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के तहत रूस से आ रहे एक तेल टैंकर को रोका है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह यूक्रेन का समर्थन करने वाले देशों द्वारा रूसी तेल निर्यात को बाधित करने का नवीनतम प्रयास है। यूक्रेन समर्थक देशों का मानना है कि तेल कारोबार से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को युद्ध को जारी रखने में मदद मिल रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में टैगोर नामक तेल टैंकर को अटलांटिक महासागर में रोके जाने की घोषणा की। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है जिसमें एक व्यक्ति हेलीकॉप्टर से रस्सी के सहारे जहाज पर उतरता हुआ दिखाई दे रहा है।

02-06-2026 सूर्यास्त 6:32 बजे | 03-06-2026 सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
74,267.34	23,382.60
(-508.40)	(-165.15)

सोना	चांदी
16,231 रु.	276,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सतत क्षरण

वोटों के समीकरण से ही,
है कभी पराजय या जय है।
समृद्ध तंत्र का लोक पक्ष,
इससे खाता हरदम भय है।
सारे ही दल सत्तागामी,
जिनके अपने मानक तय है।
इस सारी उठापटक में बस,
मूल्यों का अविरल क्षय है।।

नई पार्टी पर दो दिन में स्थिति स्पष्ट करूंगा : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तमिलनाडु से आने वाले प्रमुख नेताओं में से एक के अन्नामलाई ने पार्टी से नाराजगी और नया राजनीतिक संगठन बनाने की संभावनाओं को लेकर लगायी जा रही अटकलों के बीच सोमवार को कहा कि आगामी दो दिन में वह अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे। अन्नामलाई ने दिल्ली रवाना होने से पहले चेन्नई हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान नयी राजनीतिक पार्टी बनाने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह दो दिनों में जवाब देंगे और अपना रुख स्पष्ट करेंगे।

भाजपा नेता से जब संवाददाताओं ने पूछा कि अटकले हैं कि वह पार्टी छोड़ने की योजना बना रहे हैं और इसी सिलसिले में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात करने जा रहे हैं तो उन्होंने कहा, ''कृपया प्रतीक्षा करें। हम दो दिन में बैठकर बात करेंगे।''

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व राज्य अध्यक्ष अन्नामलाई ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा मौजूदा शैक्षणिक वर्ष से नवीं कक्षा के छात्रों के लिए तीन-भाषा नीति लागू करने की हालिया घोषणा का विरोध किया और अधिसूचना को वापस लेने की मांग की। उनके इस रुख से उन अटकलों ने जोर पकड़ा कि अन्नामलाई केंद्र सरकार का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वह अपनी खुद की पार्टी जमीन पर उतारने की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी ने 2021 के विधानसभा चुनाव के लिए टीटीवी दिनाकरन और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम को भाजपा गठबंधन में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, पार्टी आला कमान द्वारा अन्नामलाई के स्थान पर नैनार नागेंद्रन को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने और 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक)के साथ चुनावी समझौता करने के बाद से वह चर्चाओं से दूर हैं।

कोयंबटूर क्षेत्र के भाजपा सदस्यों ने हालांकि अन्नामलाई से 2026 के विधानसभा चुनाव में मैदान में उतरने की उम्मीद जताई थी, लेकिन बाद में स्पष्ट किया कि उन्होंने चुनावी मैदान से दूर रहने का फैसला किया है। भाजपा के एक सूत्र ने कहा कि अन्नामलाई के पार्टी छोड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि उन्हें पार्टी में और बड़ी भूमिका दी जा सकती है।

भारत के खिलाफ म्यांमारर की धरती का इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा : राष्ट्रपति ह्लाइंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आश्वासन दिया कि भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ उनके देश की धरती का इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा। दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक वार्ता की।

आंग ह्लाइंग पांच दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। म्यांमारर में संसदीय चुनावों के बाद राष्ट्रपति बनने के दो महीने से भी कम समय में वह भारत यात्रा पर आए हैं।

सत्ताधारी सैन्य जुंटा के खिलाफ वर्षों से जारी विरोध प्रदर्शनों के बाद ये चुनाव दिसंबर और जनवरी में कराए गए।

सैन्य जुंटा ने एक फरवरी, 2021 को तख्तापलट कर आंग सान सू ची की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को बेदखल कर दिया था।

सू ची के बारे में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यात्रा पर आए राष्ट्रपति के साथ इस मुद्दे को उठाया और चर्चा मुख्य रूप से म्यांमार में जारी शांति प्रक्रिया के संदर्भ में हुई थी।

इस मुद्दे पर भारत के निरंतर रुख को स्पष्ट करते हुए विदेश सचिव ने कहा कि भारत स्थायी शांति, समावेशिता और सभी हितधारकों को बातचीत की मेज पर लाने की आवश्यकता का समर्थन करता रहा है। उन्होंने कहा, ''यह एक खुली और अनौपचारिक चर्चा थी। मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि म्यांमार के साथ हमारा जुड़ाव उस देश की आंतरिक राजनीतिक व्यवस्था पर टिप्पणी करने के उद्देश्य से नहीं है।''

मिसरी ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत में व्यापार और आर्थिक संबंधों, रक्षा और सुरक्षा संबंधी मुद्दों, सीमा प्रबंधन, विकास सहायता और क्षेत्रीय हालात सहित द्विपक्षीय मुद्दों की पूरी श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित किया गया।

दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने में रुचि व्यक्त की।

विदेश सचिव ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने म्यांमार की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की और दोनों पक्षों ने संप्रभु क्षेत्र के दुरुपयोग को रोकने के महत्व पर बल दिया, ताकि ऐसी गतिविधियों को रोका जा सके जो उनके सुरक्षा हितों के लिए हानिकारक हों।'' उन्होंने कहा, ''म्यांमार के राष्ट्रपति ने विशेष रूप से इस बात को दोहराया कि म्यांमार के क्षेत्र का उपयोग भारत के सुरक्षा हितों के विरुद्ध नहीं होने दिया जाएगा।''

म्यांमार भारत के रणनीतिक पड़ोसियों में से एक है और यह उग्रवाद प्रभावित नगालैंड और मणिपुर सहित कई पूर्वोत्तर राज्यों के साथ 1,640 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है।

मिसरी ने कहा, ''कुल मिलाकर म्यांमार के राष्ट्रपति की इस यात्रा ने एक बार फिर दोनों पक्षों की दीर्घकालिक साझेदारी को गहरा करने और क्षेत्र में पारस्परिक लाभ, विकास और समृद्धि के लिए मिलकर काम करने की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।''

शिवराज ने की राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायसेन/भाषा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के रमासिया गांव से राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मिट्टी बचेगी तो खेती बचेगी, किसान मजबूत होगा और देश समृद्ध बनेगा।

शिवराज ने उर्वरकों के संतुलित इस्तेमाल, मिट्टी परीक्षण, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

'खेत बचाओ अभियान' एक से 30 जून तक देशभर में चलाया जाएगा।

शिवराज ने कहा कि धरती हमारी माता है और इसकी सेहत बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक खाद और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल न करें, बल्कि मिट्टी की जांच के आधार पर जरूरत के अनुसार ही उर्वरकों का उपयोग करें।

शिवराज ने कहा कि रसायनों के ज्यादा इस्तेमाल से मिट्टी की उपजाऊ क्षमता घटती है और उसमें मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं, जिसका सीधा असर उपज और खेती की लागत पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि 'खेत बचाओ अभियान' केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती माता को बचाने का राष्ट्रीय संकल्प है।

इस अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारी, कृषि विभाग की टीम और जनप्रतिनिधि गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करेंगे। वे किसानों को मिट्टी परीक्षण, संतुलित पोषण प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, आधुनिक बुवाई तकनीक, जल संरक्षण और उन्नत खेती के तरीके सिखाएंगे। शिवराज ने कहा कि हर किसान का 'सॉयल हेल्थ कार्ड' बनना जरूरी है, ताकि वह अपनी जमीन की जरूरत समझकर खाद का इस्तेमाल करे।

दक्षिण-पश्चिम मानसून दो-तीन दिन में केरल पहुंच जाएगा : आईएमडी

नई दिल्ली/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को अपने पूर्वानुमान में कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले दो से तीन दिन में केरल पहुंचने की संभावना है। आम तौर पर मानसून का मौसम लगभग एक जून से शुरू होता है। मौसम विभाग ने कहा, ''अगले दो- तीन दिन में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं।'' आईएमडी ने कहा कि इस अवधि के दौरान दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों एवं दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों में भी यह आगे बढ़ सकता है। आईएमडी ने इससे पहले केरल में मानसून के आगमन की तारीख 26 मई बताई थी। हालांकि, मानसून के आगे बढ़ने की प्रक्रिया में देरी हुई और विभाग ने 29 मई को कहा था कि इसका आगमन अगले सप्ताह हो सकता है।

मुलाकात

नव नियुक्त प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट में मुलाकात की एक तस्वीर साझा की। पोस्ट में कहा गया, ''प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल एन एस राजा सुब्रमणि ने अपनी पत्नी महालक्ष्मी सुब्रमणि के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की।''

पीएम स्वनिधि ने असंख्य रेहड़ी-पटरी वालों का जीवन बदला : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि रेहड़ी-पटरी वालों की मदद के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना ने बिना गारंटी की ऋण सुविधा, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसर उपलब्ध कराकर असंख्य रेहड़ी-पटरी वालों का जीवन बदला है।

मोदी ने इस योजना के छह वर्ष पूरे होने पर यह भी कहा कि पीएम स्वनिधि भरोसे, गरिमा और सशक्तीकरण से जुड़ी योजना है।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज पीएम स्वनिधि के छह वर्ष पूरे हो गए। यह ऐसी योजना है, जिसने बिना गारंटी ऋण सुविधा, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसर उपलब्ध कराकर असंख्य रेहड़ी-पटरी वालों का जीवन बदला है। यह योजना भरोसे, गरिमा और सशक्तीकरण से जुड़ी है। उन सभी लाभार्थियों को मेरी शुभकामनाएं, जिनका संकल्प और जिनकी उद्यमशीलता हमारे देश की अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है।'' पीएम स्वनिधि केंद्र सरकार की योजना है जो रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को किफायती कार्यशील पूंजी, वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से सहायता प्रदान करती है।

पीएम स्वनिधि को कोरोनावायरस महामारी के दौरान शुरू किया गया था ताकि उन रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को किफायती कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराया जा सके जिनके व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुए थे। यह रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं के लिए पहली समर्पित सूक्ष्म-ऋण योजना है। इसका उद्देश्य उनके कारोबार को विकसित करने में मदद करना और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। रेहड़ी-पटरी वाले असंगठित कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें अक्सर औपचारिक ऋण सुविधा तक सीमित पहुंच मिलती है। यह योजना जून 2020 में शुरू की गई थी। इसे आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय तथा वित्तीय सेवा विभाग की संयुक्त जिम्मेदारी के तहत लागू किया गया है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत 17,800 करोड़ रुपए से अधिक के 1.12 करोड़ से ज्यादा बिना गारंटी ऋण वितरित किए गए हैं।

जेईई एडवांस्ड 2026 में 56,880 छात्र सफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एडवांस्ड) 2026 के नतीजे सोमवार को घोषित हुए, जिसमें 56 हजार से अधिक उम्मीदवार सफल रहे और बिहार के शुभम कुमार ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक मानी जाने वाली इस परीक्षा में कुल 56,880 उम्मीदवारों ने सफलता हासिल की, जिनमें 10,107 छात्राएं हैं।

कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) में 360 में से 330 अंक हासिल कर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं, आईआईटी दिल्ली जोन की ही अरोही देशपांडे शीर्ष रैंक पाने वाली छात्रा बनीं। उन्होंने 360 में से 280 अंक प्राप्त कर पूरे देश में 77वीं रैंक हासिल की।

जेईई (एडवांस्ड) 2026 की परीक्षा 17 मई 2026 को आयोजित हुई थी, जिसमें कुल 1,79,694 अभ्यर्थियों ने परीक्षा एक और परीक्षा दो दोनों में भाग लिया। कबीर छिल्लर ने 329 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि जतिन चाहर 319 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। शीर्ष स्थान पर रहे शुभम कुमार ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''मैं पिछले दो साल से जेईई एडवांस्ड की तैयारी कर रहा था और मुझे उम्मीद थी कि मेरी मेहनत अच्छी रैंक दिलाएगी।

अमेरिका ने ईरानी सैन्य स्थलों पर बमबारी की, कुवैत पर हुए ड्रोन, मिसाइल हमले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान द्वारा सप्ताहांत में एक अमेरिकी 'एमक्यू-1 प्रीडेटर' ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद अमेरिका ने ईरानी रडार और ड्रोन नियंत्रण स्थलों पर बमबारी की। अमेरिका की सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी।

ईरान ने जवाबी हमला करने की बात स्वीकार की। इस बीच कुवैत ने कहा कि उस पर ड्रोन एवं मिसाइल हमले किए गए जिन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचने से रोकने के लिए उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने कार्रवाई शुरू कर दी।

ये हमले ईरान युद्ध में कई सप्ताह से लागू युद्धविराम की नाजुक स्थिति को दर्शाते हैं। अमेरिकी और ईरानी अधिकारी इस युद्धविराम की अवधि को बढ़ाने के लिए समझौते पर बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद हमले लगातार जारी हैं।

ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ बनाए हुए है जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है। कभी फारस की खाड़ी के इस संकरे मुहाने से तेल और प्राकृतिक गैस के वैश्विक कारोबार का पांचवां हिस्सा गुजरता था।

सीबीएसई में 'जेबकतरे' बैठे हैं, सावधान रहने की जरूरत : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग' (ओएसएम) प्रणाली की पृष्ठभूमि में सोमवार को दावा किया कि आज छात्र को अपनी ही उत्तर पुस्तिका की सही जांच के लिए 2000 रुपए तक खर्च करना पड़ सकता है।

राहुल ने आरोप लगाया है कि सीबीएसई में जेबकतरे बैठे हैं, जिनसे सावधान रहने की जरूरत है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, जेबकतरों से सावधान, आज वो सीबीएसई के अंदर बैठे हैं। सीबीएसई की गलती से नंबर ग़लत आए तो आपको क्या मिलता है? उन्होंने कहा, एक बिल है: इसमें प्रति विषय डिजिटल स्कैन कॉपी का खर्च 100 रुपए, फिर से टोटल करने का खर्च प्रति पेपर 100 रुपए और पुनर्मूल्यांकन का खर्च प्रति प्रश्न 25 रुपए है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अपनी ही उत्तर पुस्तिका की सही जांच के लिए एक बच्चे को 2000 रुपए तक भरने पड़ सकते हैं।

उनका कहना है, सोचिए, जब चार लाख बच्चों ने ऐसे आवेदन डाले हैं तो सीबीएसई कितनी कमाई कर रहा है। जब स्कैनिंग फ़ोन से हुई हो, तो गलत मार्किंग तय है, और उसे ठीक करवाने की क़ीमत बच्चा भर रहा है। गलती सीबीएसई की। सज़ा बच्चे को। कमाई सरकार की।

राहुल गांधी ने दावा किया, जब शिक्षा को सेवा नहीं, कारोबार बना दिया जाए तब गलती सुधारी नहीं जाती, बढ़ाई जाती है। इसकी सबसे बड़ी क़ीमत हमारे बच्चे चुका रहे हैं, अपने समय से, अपने आत्मविश्वास से, और अपने भविष्य से।

जीतो बेंगलूरु द्वारा 'यशस्विनी स्वास्थ्य बीमा कार्ड' का वितरण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा संचालित जीतो जैन बंधु योजना के तहत साधर्मिक के पारिवारिक सदस्यों के यशस्विनी स्वास्थ्य बीमा योजना कार्ड बनवाकर वितरित किए गए। योजना के अध्यक्ष अशोक नागोरी ने कहा कि सभी साधर्मिक परिवारों को इस सरकारी योजना में पंजीकृत करवाया गया ताकि स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों में बिना किसी आर्थिक परेशानी से स्वास्थ्य लाभ लिया जा सके। संयोजक महेश नाहर ने यशस्विनी योजना की जानकारी व उसके लाभ बताए तथा कार्ड के माध्यम से लेने वाली सुविधाओं की जानकारी भी दी। महामंत्री राजेश मुथा ने जरूरतमंद साधर्मिकों को इस योजना से जुड़ने का आह्वान किया। नितेश गांधी ने कार्ड के उपयोग का तरीका बताया। योजना समिति के सदस्य सिद्धार्थ बोहरा ने सभी को धन्यवाद दिया।

बेंगलूरु में 'महावीर दर्शन मंच' संस्था का हुआ गठन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन समाज में व्याप्त धार्मिक, आध्यात्मिक, साधुचर्या, सामाजिक, सांस्कृतिक समस्याओं व कुरीतियों को दूर करने व उनका समाधान ढूंढने के उद्देश्य से रविवार को गोड़वाड़ भवन में आयोजित एक विशेष बैठक में 'महावीर दर्शन मंच' नामक नई संस्था का गठन किया गया। इस बैठक में विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, जैन धर्म के विद्वान, विचारक व समाजसेवी शामिल हुए। इस नई संस्था द्वारा जैन दर्शन, संस्कार व संस्कृति को धर्म के अनुकूल व एक समान वैचारिक धरातल बनाने का अभियान चलाया जाएगा। इस बैठक में जोधपुर के सोहन मेहता, आगरा के इतिहासकार डॉ. योगेश जैन, जैन पुराविद दिनेश जैन, मुंबई के एसबी भण्डारी, चेन्नई के किरण जैन, बेंगलूरु के समाजसेवी बाबूलाल भंडारी, रेणु रांका आदि उपस्थित थे।

दानापुर और बेंगलूरु के बीच विशेष ट्रेनें

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए ट्रेन संख्या 03251/03252 दानापुर-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु - दानापुर दैनिक एक्सप्रेस स्पेशल के परिचालन की घोषणा की है। तदनुसार, ट्रेन संख्या 03251 दानापुर - सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु डेली एक्सप्रेस स्पेशल 1 जून से 15 जुलाई तक दानापुर से 15:00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 14:30 बजे सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु पहुंचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन संख्या 03252 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु-दानापुर डेली एक्सप्रेस स्पेशल 3 जून से 18 जुलाई तक तक सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु से 23:50 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन दानापुर पहुंचेगी। मार्ग में, यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आरा, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, सतना, प्रयागराज छिवकी, जबलपुर, इटारसी, नागपुर, सेवाग्राम, चंद्रपुर, बल्हारशाह, वारंगल, विजयवाड़ा, गुंटूर, नरसारावपेट, मार्कापुर रोड, नांड्याल, धोने, गुत्ती, अनंतपुर, धर्मावरम, हिंदुपुर और यलहंका स्टेशनों पर रुकेगी।

केंद्र ने इसरो के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए, जल अनुसंधान की नयी पहल शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। जल शक्ति मंत्रालय और अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने देश में जल संसाधन प्रबंधन के लिए उपग्रह प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष-आधारित अनुप्रयोगों के उपयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा यहां डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित जल क्षेत्र में अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

समझौते के तहत जल संसाधन विभाग और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जलाशय निगरानी, जल-प्रसार आकलन, नदी-प्रवाह विश्लेषण, उपग्रह-आधारित जल गुणवत्ता आकलन और जल निकायों में प्लास्टिक के कचरे के अत्यधिक मात्रा में फैलने पर अध्ययन सहित 24 प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों में संयुक्त रूप से काम करेंगे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने कहा कि '2047 तक विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जल सुरक्षा महत्वपूर्ण है और जल संबंधी चुनौतियों का समाधान प्रौद्योगिकी, नवाचार, पारंपरिक ज्ञान और जनभागीदारी के माध्यम से किया जाना चाहिए। पाटिल ने जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) अभियान के तीसरे चरण की भी शुरुआत की और जून 2026 से मई 2027 के बीच दो करोड़ जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य घोषित किया। पिछले चरण में 1.5 करोड़ संरचनाओं के निर्माण का आंकड़ा पार हो चुका है। इस कार्यशाला में जल शक्ति मंत्रालय और अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) की संयुक्त पहल जल के लिए उद्य-प्रभाव वाले क्षेत्रों में प्रगति का मिशन (एमएएचए)-जल कार्यक्रम का आरंभ भी हुआ।

सिद्दरामय्या टूटे-फूटे ट्रक जैसी प्रशासनिक व्यवस्था छोड़कर गए हैं : अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने सोमवार को कहा कि सिद्दरामय्या एक ऐसी प्रशासनिक व्यवस्था छोड़कर गए हैं, जो 'टूटे-फूटे ट्रक' (खस्ताहाल) जैसी है। उन्होंने कहा कि नामित मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को अब सभी लंबित देनदारियों और कर्जों का भुगतान करना होगा, और इसके लिए वह जनता पर और अधिक कर लगाएंगे।

अशोक ने कहा, सिद्दरामय्या को लगता था कि उन्हें हटाया नहीं जाएगा, क्योंकि वह पिछड़ी जाति से संबंध रखने वाले एकमात्र मुख्यमंत्री और एकमात्र अहिंदा (अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और दलित) नेता थे। उन्होंने राहुल गांधी के दबाव के कारण इस्तीफा दिया है। उन्होंने कहा कि अतीत में इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने वीरेन्द्र पाटिल, देवराज उर्स और एस. बंगारप्पा जैसे नेताओं को भी मुख्यमंत्री पद से हटाया था। अशोक ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह पिछड़े वर्गों को नजरअंदाज कर रही है। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि राहुल गांधी भले ही खुद को पिछड़े वर्गों का समर्थक बताते हों, लेकिन वास्तव में वह उनके खिलाफ हैं। अशोक के अनुसार, सिद्दरामय्या ने तीन और महीने मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का अनुरोध किया था, लेकिन पार्टी आलाकमान ने इसे स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब पिछड़े वर्गों की हितैषी होने का दावा नहीं कर सकती और सिद्दरामय्या के कुरुबा समुदाय में भी पार्टी के प्रति नाराजगी है। उन्होंने कहा कि 2028 के चुनावों में मतदाता कांग्रेस को सबक सिखाएंगे। अशोक ने कांग्रेस सरकार की तुलना एक पुराने, खटारा ट्रक से की, जिसका चालक बदल गया है लेकिन वाहन वही है। उन्होंने कहा कि सिद्दरामय्या ने अपने तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान भारी कर्ज लिया और अब कर्जग्रस्त स्थिति में प्रशासन शिवकुमार को सौंपा है।

माहेश्वरी भवन में भगवान जगन्नाथ की कथा 5 जून से

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में 5 जून से पांच दिवसीय भगवान जगन्नाथ की कथा का आयोजन ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में किया जाएगा। संगठन की सचिव शोभा भूतड़ा ने बताया कि गौडिया वैष्णवाचार्य युगलशरणजी महाराज कथा में भगवान जगन्नाथ की महिमा व कथा का श्रवण करवाएंगे। महिला संगठन की सभी सदस्याएं इस कथा के आयोजन की तैयारियों में जुटी हुई हैं।

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता लागू, कपड़ा, रत्न और आभूषण क्षेत्र को मिलेगी शुल्क मुक्त पहुंच

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौता सोमवार से लागू हो गया। इसके तहत वस्त्र, इंजीनियरिंग उत्पाद, रत्न और आभूषण समेत भारत के 99 प्रतिशत निर्यात को ओमान के बाजार में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा और पेशेवरों को आवागमन की बेहतर सुविधा का लाभ होगा।

दूसरी ओर, भारतीय उपभोक्ताओं को ओमान से सस्ते खजूर मिलेंगे क्योंकि समझौते के तहत कोटा-आधारित शुल्क रियायतें लागू होंगी।

ओमान के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) का कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिकी-ईरान युद्ध के कारण भारतीय निर्यातकों को खाड़ी देशों में माल भेजने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार ने प्याज के बफर स्टॉक के लिए खरीद कीमत 24 प्रतिशत बढ़ायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बाजार की स्थितियों और किसानों के हितों की रक्षा के लिए अपने बफर स्टॉक कार्यक्रम के तहत प्याज की खरीद कीमत 24.4 प्रतिशत बढ़ाकर 15.80 रुपए प्रति किलो कर दी है।

खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अनुपम मिश्रा ने सोमवार को एक अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमने प्याज की खरीद कीमत 12.70 रुपए प्रति किलो से बढ़ाकर 15.80 रुपए प्रति किलो कर दी है।'' मौजूदा सत्र के लिए प्याज की खरीद 15 मई को शुरू हुई थी, और संशोधित कीमत 22 मई को अधिसूचित की गई थी। बाजार में हस्तक्षेप के उद्देश्य से, मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत हर साल बफर स्टॉक बनाए जाते हैं। सरकार ने इस वर्ष के लिए दो लाख टन खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो 2025-26 में खरीदे गए तीन लाख टन से कम है। दलहनों के मोर्चे पर, मिश्रा ने बताया कि मई में बफर स्टॉक अपने अब तक के उच्चतम स्तर 43 लाख टन पर पहुंच गया है, जो मई 2025 में दर्ज 18 लाख टन से दोगुने से भी अधिक है। यह मई 2024 के 21 लाख टन से काफी ऊपर है। मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत खरीद के परिणामस्वरूप अब तक 5.34 लाख टन अरहर और 20.35 लाख टन चना खरीदा गया है। इस योजना के तहत खरीद तब शुरू की जाती है जब मंडी की कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे गिर जाती हैं। घरेलू उत्पादन में वृद्धि के कारण आयात पर निर्भरता कम हुई है। दालों का आयात 2025-26 में लगभग 30 प्रतिशत घटकर 60 लाख टन रह गया जो एक साल पहले 73 लाख टन था। चने का आयात भी 51 प्रतिशत घटकर वर्ष 2024-25 के 15.06 लाख टन से काफी नीचे आ गया। वहीं दालों के लिए मुक्त आयात नीति अभी भी लागू है। मिश्रा ने बताया दालों की आपूर्ति करने वाले प्रमुख देश... म्यांमा, तंजानिया, मलावी, मोजाम्बिक, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील... पश्चिम एशिया की स्थिति से सीधे तौर पर प्रभावित नहीं हैं, जिससे आपूर्ति से जुड़े जोखिम सीमित हो जाते हैं।

तेलंगाना में आंध्र के नेताओं के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : कविता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मामलों में पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के नेताओं द्वारा हस्तक्षेप करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए, टीआरएस अध्यक्ष के. कविता ने सोमवार को कहा कि वह शासन और सांस्कृतिक क्षेत्र में इस तरह के किसी भी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करेंगी।

तेलंगाना रक्षण सेना (टीआरएस) की संस्थापक ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सत्ता में आने पर वह तेलंगाना के लोगों की इच्छा के विरुद्ध हैदराबाद में स्थापित आंध्र प्रदेश की हस्तियों की मूर्तियों को तोड़ने में जरा भी संकोच नहीं करेंगी। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को मंगलवार को तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर, राज्य के लिए संघर्ष करने वालों से सत्तारूढ़ कांग्रेस के चुनाव-पूर्व वादों के कार्यान्वयन के संबंध में घोषणा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के राजनीतिक नेताओं को तेलंगाना के लोगों को नीचा नहीं दिखाना चाहिए और तेलंगाना पर सांस्कृतिक वर्चस्व दिखाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। कविता ने कहा, (तेलंगाना को) जो नुकसान हुआ है, उसका कारण यह है कि उनके एजेंट यहां के मुख्यमंत्री हैं। वे अलग-अलग तरह की मूर्तियां स्थापित कर रहे हैं। मैंने पहले भी कहा था। मैं अतीत के नेताओं जितनी अच्छी नहीं हूं। हम सत्ता में जरूर आएंगे। अगर आप इसी तरह करते रहे, तो हम सभी मूर्तियों को तोड़कर पार्सल से आंध्र प्रदेश भेज देंगे। मुझमें अब उतना धैर्य और इतनी उदारता नहीं है। वह संभवतः तेदेपा संस्थापक एन.टी. रामाराव की प्रतिमा का जिक्र कर रही थीं, जिसका अनावरण हाल ही में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद में किया था। कविता ने कहा कि आंध्र प्रदेश के निवेशकों का तेलंगाना में स्वागत है।

मुख्यमंत्री ने 'मेक इन हरियाणा' औद्योगिक नीति की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को यहां 'मेक इन हरियाणा औद्योगिक नीति' का उद्घाटन किया और इसके साथ ही राज्य में पांच लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस अवसर पर 1.10 लाख करोड़ रुपए के निवेश संबंधी समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए।

एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, राज्य सरकार का उद्देश्य हरियाणा को देश के अग्रणी निवेश गंतव्य के रूप में विकसित करना और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विनिर्माण क्षेत्र का प्रमुख केंद्र स्थापित करना है। अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के लिए तैयार की गई नौ नई औद्योगिक नीतियों, निवेशकों के लिए 'इंटेलिजेंट इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन पोर्टल' तथा आगामी हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के 'लोगो' का भी अनावरण किया।

सरकार का मानना है कि नई औद्योगिक नीतियां और निवेश सुविधा तंत्र राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उम्मीद है प्रधानमंत्री के तहत नीट पेपर लीक नहीं होगा, हुआ तो इस्तीफा मांगेंगे : दिग्विजय

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' की 21 जून को फिर से होने वाली परीक्षा के सफलतापूर्वक आयोजन की जिम्मेदारी ली है और ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि पेपर लीक नहीं होगा, लेकिन यदि यह होता है तो फिर उनका इस्तीफा मांगा जाएगा। संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति के प्रमुख सिंह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के ''निकम्मेपन'' से परेशान होकर परीक्षा की सारी जिम्मेदारी खुद ले ली है। उन्होंने समिति की बैठक के बाद कहा कि वह बैठक में हुई किसी बात पर टिप्पणी नहीं करेंगे। सिंह ने एक समाचार पोर्टल उस खबर की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए जिसमें कहा है उन्होंने समिति की बैठक में कहा है कि प्रधानमंत्री और उनके 'सिस्टम' पर भरोसा है।

राजनीतिक और पारिवारिक रिश्ते अलग-अलग : अरुण लखानी

नागपुर/भाषा। उद्योगपति और एमएलसी चुनाव के लिए भाजपा के उम्मीदवार अरुण लखानी ने सोमवार को कहा कि उनके नामांकन में कुछ भी असामान्य नहीं है और राजनीति व पारिवारिक संबंध अलग-अलग मामले हैं। लखानी के बेटे सारंग की शादी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) की सांसद सुप्रिया सुले की बेटी रेवती से 20 जून को होने वाली है।

भाजपा ने 18 जून को होने वाले महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में चंद्रपुर-वर्धा-गडचिरोली सीट से लखानी को उम्मीदवार बनाया है। सुले के पिता और दिग्गज राजनेता शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा(शप) भाजपा की प्रतिद्वंद्वी है। भाजपा उम्मीदवार नामित होने के बाद उन्होंने एक मराठी समाचार चैनल को बताया, सुप्रिया ताई ने मुझे बधाई संदेश भेजा।

सरकार जरूरत पड़ने पर पट्टे की जमीन वापस ले सकती है: जिमखाना क्लब के नोटिस पर मंत्री का बयान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली जिमखाना क्लब को अपना परिसर खाली करने के लिए केंद्र द्वारा कहे जाने के कुछ दिनों बाद, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को कहा कि सरकार विकास कार्यों तथा किसी अन्य उद्देश्य के लिए पट्टे पर दी गई सरकारी भूमि वापस ले सकती है।

केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि जहां भी आवश्यक होगा, अन्य मामलों में भी इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ''जमीन, भूमि एवं विकास कार्यालय (एल एंड डी ओ) की एक मूलभूत विशेषता'' है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वतंत्रता से पहले भी एल एंड डी ओ को जमीन हस्तांतरित की जाती रही है। उन्होंने आगे कहा कि चूंकि उस समय दिल्ली में कोई राज्य सरकार नहीं थी, इसलिए केंद्र सरकार जमीन की मालिक बन गई। ब्रिक्स शहरीकरण मंच से संबंधित एक प्रेस वार्ता के दौरान संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में मनोहर लाल ने कहा, ''अधिकांश मामलों में, भूमि पट्टे पर दी गई है। पट्टे की अवधि समाप्त होने या किसी अन्य उद्देश्य से अवधि समाप्त होने से पहले भी पट्टे पर दी गई भूमि को खाली कराया जा सकता है...।'' उन्होंने कहा, जो जमीन हम वापस ले रहे हैं, उसका उपयोग आवश्यकतानुसार किया जाएगा और यह प्रक्रिया जारी रहेगी।

छात्र संगठनों ने प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए शिक्षा मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ कुछ छात्र संगठनों ने सोमवार को शिक्षा मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया और बार-बार सामने आ रहे प्रश्नपत्र लीक के मामलों की जवाबदेही तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) द्वारा आयोजित इस प्रदर्शन में क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) के कार्यकर्ता शामिल हुए। इस प्रदर्शन में नीट, सीयूईटी, एसएससी और सीबीएसई जैसी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं पर कार्रवाई की मांग की गई। छात्र संगठनों के अनुसार, प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों ने प्रश्नपत्र लीक, स्कोर गणना में त्रुटियों और परीक्षा संबंधी व्यवधानों के लिए जवाबदेही की मांग करते हुए शिक्षा मंत्रालय की ओर मार्च किया।

संगठनों ने आरोप लगाया कि मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को रोका और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। उन्होंने दावा किया कि हिरासत में लिए गए छात्रों और कार्यकर्ताओं को कापसहेड़ा थाने ले जाया गया और वहां कई घंटों तक रखा गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगभग आठ से दस छात्रों को हिरासत में लिया गया।''

आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) शिक्षा प्रणाली में लापरवाही और भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय की आइसा इकाई की सचिव अंजलि ने सरकार पर परीक्षा अनियमितताओं से संबंधित चिंताओं को दूर करने के बजाय छात्रों के प्रदर्शनों को दबाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

बेंगलूरु में लोक अभियोजक को 5,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक अदालत से जुड़ी लोक अभियोजक को एक शिकायतकर्ता से कथित तौर पर 5,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए सोमवार को पकड़ा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान सविता नवीन पाटिल (55) के रूप में हुई है, जो बेंगलूरु स्थित नगर दीवानी और सत्र अदालत में लोक अभियोजक के पद पर तैनात है। लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, पाटिल ने चेन्नममनकेरे अचुकट्टू थाने में दर्ज एक मामले के संबंध में आपत्तियां दर्ज कराने के लिए बनशंकरी निवासी से कथित तौर पर 5,000 रुपए की मांग की थी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति की शिकायत के बाद, लोकायुक्त के अधिकारियों ने पाटिल को उस समय रंगे हाथ पकड़ा, जब वह शिकायतकर्ता से कथित तौर पर रिश्वत ले रही थी। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7(ए) के तहत उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और आरोपी अधिकारी को हिरासत में ले लिया गया है। मामले में जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री विजय ने विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप खारिज किए

द्रमुक-अन्नाद्रमुक पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को खुद के खिलाफ विधायकों की खरीद-फरोख्त करने के आरोपों को खारिज कर दिया। विजय ने मुख्य प्रतिद्वंद्वी दलों द्रमुक तथा अन्नाद्रमुक पर आरोप लगाया कि वे लूट मचाने के लिए चोरी-छिपे सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

दस मई को मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने के बाद पहली बार जनसभा को संबोधित करते हुए विजय ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर तीखा हमला बोला और उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की लगातार आलोचना करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि द्रमुक की परिवार की राजनीति ही 23 अप्रैल के विधानसभा चुनाव में उसकी हार का कारण बनी। विजय ने कहा, जनता ने मुझे मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि 'प्रथम सेवक' बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि द्रमुक जितनी ज्यादा उनकी आलोचना करेगी, उतना ही अधिक लाभ टीवीके को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार मई को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद दोनों द्रविड़ दलों ने मिलकर सौदेबाजी की और गुपचुप तरीके से सरकार बनाने की कोशिश की ताकि लूट मचाते रहें। विजय ने दावा किया कि दोनों दलों को डर था कि अगर टीवीके सरकार बना लेगी तो उनका काम यानी लूट और भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। उन्होंने द्रमुक को बुरी ताकत और अन्नाद्रमुक को खत्म हो चुकी ताकत बताया। टीवीके प्रमुख ने कहा, जैसाकि मैंने पहले कहा था, मुकाबला केवल टीवीके और द्रमुक के बीच है, बाकी कोई मायने नहीं रखता। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें पेरम्बू का विधायक कहते हैं, लेकिन उनके लिए तिरुचिरापल्ली के लोग बहुत करीब हैं। विजय ने यह भी कहा कि दिवंगत मुख्यमंत्री एम.जी. रामचंद्रन (एमजीआर) को भी उनके पहले चुनाव में इतने वोट नहीं मिले थे, जितने उन्हें मिले हैं। उन्होंने कहा कि वह खुद की तुलना एमजीआर से नहीं कर रहे। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं एमजीआर, अन्ना और पेरियार के दिखाए रास्ते पर चलने वाला आपका विजय हूं, बस इतना ही।

विजय ने यह भी कहा कि अगर थोड़ा और समर्थन मिला होता तो परिणाम और बेहतर होते, लेकिन उन्हें विश्वास है कि भविष्य के सभी चुनावों में पूरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी टीवीके ने जाति, धर्म और वोट के बदले पैसे जैसी बाधाओं को तोड़ा है। उन्होंने कहा कि टीवीके सरकार सभी का ख्याल रखेगी और राज्य के अधिकारों तथा धर्मनिरपेक्षता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने तिरुचिरापल्ली में रोड शो किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को यहां एक रोड शो किया। विजय के आगमन पर लोगों और तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री के पहुंचते ही उन्हें औपचारिक पुलिस सलामी दी गई और मंत्रियों आधव अर्जुन और एस रमेश, वरिष्ठ अधिकारियों और लोकसभा सदस्य दुरई वाइको ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने हवाई अड्डे से जनसभा स्थल सेंट जोसेफ कॉलेज तक 10 किलोमीटर की दूरी वैन से तय की। आगे की सीट पर बैठे हुए विजय ने सड़क के दोनों ओर इंतजार कर रहे लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने कई जगहों पर उनकी गाड़ी पर फूल बरसाए और उत्साहपूर्वक 'विजय' के नारे लगाए।

मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की। विजय सेंट जोसेफ कॉलेज परिसर में जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। वह तिरुचिरापल्ली पूर्व विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का आभार व्यक्त करेंगे, जहां से उन्होंने जीत हासिल की थी। विजय ने चेन्नई की पेरंबूर विधानसभा सीट बरकरार रखने के लिए तिरुचिरापल्ली पूर्व सीट से इस्तीफा दे दिया था। विजय ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 13 सितंबर 2025 को तिरुचिरापल्ली से अपने राज्यव्यापी 'आई एम कमिंग' प्रचार अभियान की शुरुआत की थी।

तमिलनाडु में सरकारी वकीलों की नियुक्ति केवल योग्यता के आधार पर होगी : मंत्री निर्मल कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के ऊर्जा संसाधन एवं विधि मंत्री आर. निर्मल कुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय सहित सभी स्तरों पर सरकारी वकीलों और विधि अधिकारियों की नियुक्ति पूरी तरह योग्यता के आधार पर कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्य उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही होगा।

कुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में इन नियुक्तियों में किसी भी प्रकार के राजनीतिक हस्तक्षेप या भ्रष्टाचार से साफ इनकार करते हुए दावा किया कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान ऐसी नियुक्तियों में कथित तौर पर ऐसी अनियमितताएं होती थीं। विधि मंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली सरकार पूरी ईमानदारी के साथ और केवल योग्यता के आधार पर सरकारी वकीलों की नियुक्ति कर रही है। इस प्रक्रिया में उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है।

कुमार ने कहा कि ''पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है और इसमें न कोई भेदभाव है और न ही कोई हस्तक्षेप।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों के शासनकाल के दौरान कई उच्च पद कथित रूप से करोड़ों रुपये की रिश्वत देकर हासिल किए गए थे। कुमार ने कहा, ''कई लोगों ने मुझे बताया है कि अतीत में अनेक उच्च पद पैसे देकर या करोड़ों रुपये की रिश्वत देकर प्राप्त किए गए। कई अयोग्य लोगों को भी केवल पैसे के बल पर नियुक्तियां मिलीं। हमारी सरकार में ऐसा नहीं होगा।''

उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में उच्च न्यायालय में अस्थायी अधिवक्ताओं की नियुक्ति पूरी तरह योग्यता के आधार

पर की जा रही है, जिसकी कई पूर्व न्यायाधीशों ने सराहना की है। मंत्री ने कहा, ''कई पूर्व न्यायाधीशों ने फोन कर खुशी व्यक्त की और कहा कि लगभग 40 वर्षों बाद वे इस प्रकार की योग्यता-आधारित नियुक्तियां देख रहे हैं। रिश्वतखोरी और अनियमितताओं को बिल्कुल बर्दाश्त न करना हमारे मुख्यमंत्री की मूल नीति है।''

कुमार ने कहा कि सरकारी अधिवक्ता न्यायाधीशों को त्वरित न्याय देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और सरकार का उद्देश्य आम तथा वंचित लोगों को न्याय मिलने में होने वाली देरी को समाप्त करना है। उन्होंने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आम आदमी और गरीबों को न्याय मिलने में किसी भी परिस्थिति में देरी न हो। साथ ही, महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री की स्पष्ट नीति है।'' कुमार ने कहा कि विभिन्न विभागों से संबंधित नियुक्तियों की प्रक्रिया अगले एक महीने के भीतर चरणबद्ध तरीके से पूरी कर ली जाएगी। मेकेदातु बांध परियोजना से जुड़े एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार पड़ोसी राज्य कर्नाटक द्वारा प्रस्तावित मेकेदातु बांध के निर्माण का लगातार विरोध कर रही है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री किसी भी स्थिति में मेकेदातु बांध के निर्माण की अनुमति नहीं देंगे। इसे रोकने के लिए सभी आवश्यक कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय प्रतिदिन इस मामले की निगरानी कर रहा है, ताकि कानूनी रूप से इस परियोजना को रोका जा सके।''

नई पार्टी पर दो दिन में स्थिति स्पष्ट करूंगा : अन्नामलाई

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तमिलनाडु से आने वाले प्रमुख नेताओं में से एक के अन्नामलाई ने पार्टी से नाराजगी और नया राजनीतिक संगठन बनाने की संभावनाओं को लेकर लगायी जा रही अटकलों पर सोमवार को कहा कि आगामी दो दिन में वह अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे। अन्नामलाई ने दिल्ली रवाना होने से पहले चेन्नई हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान नयी राजनीतिक पार्टी बनाने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह दो दिनों में जवाब देंगे और अपना रुख स्पष्ट करेंगे।

तमिलनाडु में भाजपा ने सरकारी पदों में बढ़ती रिक्तियों पर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने सोमवार को सरकारी विभागों में बेतहाशा बढ़ रही रिक्तियों पर चिंता व्यक्त की और मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय से इस मुद्दे को तुरंत हल करने का आग्रह किया। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कहा कि खुद को राज्य में ''वैकल्पिक शक्ति'' के रूप में पेश करने वाली तमिलनाडु सरकार को रिक्त पदों को भरने और युवाओं के रोजगार के सपनों को साकार करने के लिए तत्काल भर्ती अभियान शुरू करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रिक्त पदों को भरने के लिए कदम उठाने से सरकारी तंत्र के सुचारू संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा और एक ''जिम्मेदार सरकार'' को इसी तरह कार्य करना चाहिए। नागेंद्रन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मुख्यमंत्री को सरकारी विभागों में रिक्त पदों को भरने के लिए कदम उठाने चाहिए। एक ही दिन में 5,000 से अधिक सरकारी कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने के बाद, यह खबर सामने आई है कि तमिलनाडु सरकार के विभागों में 40 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त हैं।'' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की पूर्व सरकार ने पांच लाख सरकारी पदों को भरने का वादा किया था, लेकिन अपने पांच साल के शासनकाल में वह एक लाख पद भी नहीं भर पाई। भाजपा नेता ने कहा, ''तमिलनाडु के युवा रोजगार की कमी से जूझ रहे हैं। राज्य की सरकार खुद को युवाओं की प्रतिनिधि और वैकल्पिक शक्ति के रूप में प्रस्तुत करती है, इस स्थिति में सरकार को तत्काल भर्ती अभियान शुरू करना चाहिए और युवाओं के रोजगार के सपनों को साकार करना चाहिए ताकि एक जिम्मेदार सरकार के अनुरूप सरकारी तंत्र सुचारू रूप से चल सके।''

अन्नाद्रमुक की चुनावी हार से दुखी 32 वर्षीय पार्टी पदाधिकारी ने की आत्महत्या

तंजावुर। तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक की लगातार चुनावी हार से दुखी पार्टी के 32 वर्षीय पदाधिकारी ने तंजावुर जिले के तिरुप्पंदाल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान के. ए. एस. महेंद्रन के रूप में हुई है जो ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) तंजावुर पूर्व व्यापार शाखा के संयुक्त सचिव के रूप में काम कर रहे थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और एक साल का बच्चा है। आत्महत्या से पहले महेंद्रन ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया था, जिसमें उन्होंने पार्टी की हालिया राजनीतिक हार पर गहरा दुख व्यक्त किया था। अपने वीडियो संदेश में उन्होंने अन्नाद्रमुक के विभिन्न गुटों के नेताओं और कार्यकर्ताओं से भावुक अपील की और पार्टी को मजबूत करने के लिए अपने मतभेदों को भुलाकर पार्टी महासचिव एडप्पडी के. पलानीस्वामी के एकल नेतृत्व में एकजुट होने का आग्रह किया। घटना की सूचना मिलने पर तिरुप्पंदाल पुलिस ने शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए तिरुप्पंदाल सरकारी अस्पताल भिजवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

चेन्नई में निर्माण स्थल पर अस्थायी ढांचा गिरने से झारखंड के प्रवासी श्रमिक की मौत, 35 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक निर्माणाधीन स्थल के श्रमिक शिविर में लोहे का अस्थायी ढांचा गिरने से झारखंड के एक प्रवासी श्रमिक की मौत हो गई, जबकि 35 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा रविवार देर रात उस समय हुआ जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का फाइनल मैच चल रहा था और 100 से अधिक श्रमिक शांति नगर मेन रोड पर स्थित अस्थायी आवासीय परिसर में मोबाइल फोन और अन्य पोर्टेबल उपकरणों पर मैच देख रहे थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बड़ी संख्या में श्रमिक दो मंजिला औद्योगिक शेड की पहली मंजिल पर बने अस्थायी ऊंचे रैंप और प्लेटफॉर्म पर एकत्र हो गए थे।

पुलिस ने बताया कि भीड़ बढ़ने और लोगों के रेलिंग पर झुकने के कारण यह अस्थायी ढांचा भार नहीं सह सका और अचानक ढह गया, जिससे कई श्रमिक लगभग 15 फुट नीचे भूतल पर गिर पड़े। हादसे के तुरंत बाद आपातकालीन सेवा कर्मियों, पुलिस और शिविर में मौजूद अन्य श्रमिकों ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारियों ने झारखंड के मूल निवासी ब्रिंजी मांझी (55) सहित 21 घायल श्रमिकों को गिंडी के सरकारी कलैग्नार शताब्दी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहुंचाया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण मांझी को बाद में राजीव गांधी सरकारी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान सोमवार तड़के उनकी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने बताया कि अन्य घायल श्रमिकों को पोरूर स्थित श्री रामचंद्र मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, कोलकाता निवासी सुखानी नामक एक अन्य श्रमिक की हालत गंभीर बनी हुई है और वह गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती है। उन्होंने बताया कि बाकी घायल श्रमिकों की स्थिति स्थिर बनी हुई है और वे खतरे से बाहर हैं। नंदमबक्कम की पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दक्षिणी रेलवे ने प्रतिष्ठित स्वच्छता पखवाड़ा पुरस्कार 2025 जीता

क्षेत्रीय रेलवे में तीसरा स्थान प्राप्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

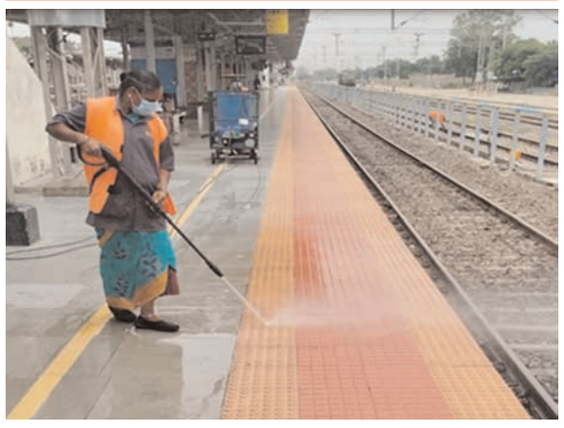

चेन्नई। यहां दक्षिणी रेलवे (एसआर) को स्वच्छता अभियान - 2025 के क्रियान्वयन में सभी क्षेत्रीय रेलवे में तीसरा स्थान प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी गई है। यह पखवाड़े भर चलने वाला स्वच्छता और पर्यावरण अभियान गत 1 से 15 अक्टूबर तक मनाया गया, जिसमें सभी छह डिवीजनों और तीन कार्यशालाओं में फैले 439 रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ कई अन्य रेलवे प्रतिष्ठान और कार्यालय शामिल थे।

इस अभियान की विशेषता स्वच्छता के विभिन्न विषयों पर केंद्रित सावधानीपूर्वक आयोजित दैनिक कार्यक्रम थे, जिसकी शुरुआत लगभग 35,000 व्यक्तियों द्वारा आधिकारिक स्वच्छता शपथ लेने से हुई, ताकि इस पहल के प्रति उनकी संस्थागत प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप दिया जा सके।

यह उल्लेखनीय है कि दक्षिणी रेलवे के अलावा, उत्तर पूर्वी रेलवे (प्रथम स्थान) और उत्तर पश्चिमी रेलवे (द्वितीय स्थान) को स्वच्छता पखवाड़ा 2025 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले रेलवे प्रतिष्ठानों के रूप में चुना गया है।

स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान का विषय 'स्वच्छोत्सव' था - स्वच्छता और सामुदायिक भागीदारी का उत्सव। इस प्रेरणादायक विषय पर ध्यान केंद्रित करते हुए, अभियान ने निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के रखरखाव को प्राथमिकता देते हुए जमीनी स्तर पर व्यापक लामबंदी हासिल की।

श्रमदान गतिविधियों में 11,000 से अधिक कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई शामिल थी। परिचालन सुरक्षा और स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के लिए 544 किलोमीटर रेलवे ट्रैक पर व्यापक सफाई अभियान भी चलाए गए। जलभराव को रोकने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए, पूरे क्षेत्र में 43 किलोमीटर जल निकासी नेटवर्क की गाद निकाली गई।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए रेलवे नेटवर्क में अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी रणनीतिक प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया गया। स्वच्छ परिसर पहल के तहत, 1,501 कार्यालय परिसरों में 268 टन से अधिक ठोस अपशिष्ट का प्रसंस्करण किया गया, जबकि लक्षित पर्यावरण अभियानों के परिणामस्वरूप 63 टन प्लास्टिक अपशिष्ट का निपटान हुआ।

रेलवे कार्यशालाओं ने 203 टन से अधिक स्क्रैप सामग्री के औपचारिक निपटान में तेजी लाई। अभियान अवधि के दौरान रेलवे की निर्धारित संपत्तियों पर 10,000 से अधिक पौधे लगाकर इस क्षेत्र के पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को और मजबूत किया गया।

एसी ईएमयू ट्रेन सेवाओं में देखी भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार एसी ईएमयू ट्रेन सेवाओं को यात्रियों की बढ़ती प्राथमिकता मिल रही है। ग्रीष्म ऋतु के कारण मई 2026 में अब तक की सबसे अधिक भीड़ देखी गई। दक्षिणी रेलवे के चेन्नई डिवीजन द्वारा चेन्नई बीच - तांबरम - चेंगलपट्टू खंड के बीच संचालित वातानुकूलित इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एसी ईएमयू) सेवाओं में उपनगरीय यात्रियों की बढ़ती संख्या देखी जा रही है, जो आरामदायक, सुविधाजनक और यात्री-अनुकूल रेल यात्रा के लिए बढ़ती प्राथमिकता को दर्शाती है।

वर्तमान में, चेन्नई बीच-तांबरम-चेंगलपट्टू उपनगरीय कॉरिडोर पर 10 एसी ईएमयू ट्रेन सेवाएं संचालित की जाती हैं, जो यात्रियों को एक प्रीमियम यात्रा अनुभव प्रदान करती हैं और साथ ही चेन्नई के सबसे व्यस्त उपनगरीय रेलवे मार्गों में से एक पर निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती हैं।

इस वर्ष जनवरी से मई की अवधि के दौरान, एसी ईएमयू ट्रेन सेवाओं से कुल 4,32,462 यात्रियों ने यात्रा की। मासिक यात्रियों की संख्या जनवरी में 69,454, फरवरी में 66,138, मार्च में 89,176, अप्रैल में 87,431 और मई में 1,24,263 रही। यात्रियों की संख्या वृद्धि का रुझान विशेष रूप से ग्रीष्म ऋतु के दौरान, एसी ईएमयू ट्रेन सेवाओं की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। मई 2026 सेवा शुरू होने के बाद से सबसे अधिक सफल महीना रहा, जिसमें 1,24,263 यात्रियों की अब तक की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई और यह एक लाख यात्रियों का आंकड़ा आसानी से पार करने वाला पहला महीना बन गया। अप्रैल की तुलना में यात्रियों की संख्या में 36,832 की वृद्धि लगभग 42% की वृद्धि दर्शाती है, जो गर्मी के चरम महीनों के दौरान वातानुकूलित उपनगरीय यात्रा के प्रति बढ़ती प्राथमिकता को रेखांकित करती है।

नौतपा की तपिश के बीच राजस्थान की सियासत में बढ़ी बयानबाजी की गर्मी

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

जयपुर। लगता है नौतपा की भीषण गर्मी का असर राजस्थान की राजनीति पर भी साफ दिखाई देने लगा है. इन दिनों नेताओं की तीखी बयानबाजी ने सियासी माहौल में तल्खी बढ़ा दी है। विभिन्न दलों के नेता एक-दूसरे पर व्यक्तिगत और राजनीतिक हमले करने से नहीं चूक रहे हैं, जिससे प्रदेश की राजनीति का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है।

राजस्थान की राजनीति में आक्रामक और बेबाक बयान देने के मामले में हनुमान बेनीवाल का नाम सबसे आगे माना जाता है। अपनी राजनीतिक शैली के अनुरूप उन्होंने समय-समय पर सत्ता पक्ष, विपक्ष और विभिन्न दलों के नेताओं पर खुलकर निशाना साधा है। कई नेताओं ने उनके अंदाज में जवाब देने का प्रयास किया, लेकिन अधिकांश ने विवाद को आगे बढ़ाने के बजाय संयम बरतना ही बेहतर समझा। हालांकि बेनीवाल की बयानबाजी का

अमराराम

हनुमान बेनीवाल

सिलसिला शायद ही कभी थमता हो। राजनीतिक कद, दल या पद चाहे कोई भी हो, उनकी टिप्पणियों के दायरे से शायद ही कोई बच पाता है। इस बार उनके निशाने पर केवल कांग्रेस और भाजपा ही नहीं, बल्कि वामपंथी राजनीति का प्रतिनिधित्व करने वाली माकपा भी आ गई।

सीकर से सांसद अमराराम को लेकर दिए गए एक बयान ने नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। बेनीवाल ने दावा किया कि अमराराम की जीत में आरएलपी के वोटों की महत्वपूर्ण भूमिका रही और इसी संदर्भ में उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि आरएलपी के वोटों ने उनका बुढ़ापा सुधार दिया। बेनीवाल की यह टिप्पणी अमराराम को नागवार गुजरी। किसान आंदोलनों और संघर्ष की राजनीति से जुड़े माकपा सांसद ने भी उसी तीखे अंदाज में पलटवार किया। उन्होंने बेनीवाल को खींवसर विधानसभा उपचुनाव की याद दिलाते हुए कहा कि यदि वे इतने प्रभावशाली हैं तो अपनी पत्नी को चुनाव क्यों नहीं जिता पाए? इसके साथ ही उन्होंने कई अन्य राजनीतिक टिप्पणियां भी कीं, जिनकी चर्चा अब सियासी गलियारों में तेज़ी से हो रही है। फिलहाल, प्रदेश की राजनीति में यह बयान युद्ध चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है। जिस नेता की बयानबाजी के सामने अक्सर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी खामोश रहना बेहतर समझते हैं, उसे इस बार अमराराम की ओर से मिले तीखे जवाब ने नई बहस को जन्म दे दिया है।अब राजनीतिक हलकों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि हनुमान बेनीवाल इस पलटवार का क्या जवाब देते हैं और यह सियासी तकरार आगे किस दिशा में बढ़ती है?

पीएम पोषण योजना के भोजन की गुणवत्ता जांच के लिए अधिकारी विद्यालयों में निरंतर निरीक्षण करें : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना की राज्य स्तरीय संचालन एवं निगरानी समिति की बैठक सचिवालय में ली और योजना की मॉनिटरिंग अधिक प्रभावी ढ़ंग से करने के निर्देश दिए। बैठक में समिति ने केन्द्र सरकार द्वारा इस योजना के लिए राजस्थान को स्वीकृत 953.97 करोड़ रुपये सम्बंधी अनुमोदन किया । मुख्य सचिव ने योजना के पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए पीएम पोषण योजना के ठ-गड्खचड पोर्टल को तत्काल अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करने के निर्देश भी प्रदान किए।

बैठक में अवगत कराया गया कि बच्चों को निर्धारित मानकों के अनुसार संतुलित व पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य, पोषण स्तर व शैक्षणिक विकास को सशक्त आधार दिया जा रहा है। इस योजना से बच्चों में कुपोषण स्तर कम हो रहा है, ड्रॉप आउट कम हुआ है और शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ रही है। मुख्य सचिव को कृष्ण भोग योजना से भी अवगत कराया गया । यह योजना राज्य सरकार का नवाचार है, जिसका बेहतरीन प्रभाव देखा गया है।

प्रधानमंत्री जी ने भी राज्य सरकार के इस नवाचार की प्रशंसा की है। कृष्ण भोग योजना न केवल बच्चों की पोषण सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है, साथ ही, कुपोषण एवं एनीमिया जैसी समस्याओं को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। योजना में वर्ष 2025-26 में 60 लाख 54 हजार 768 भोजन थाली परोसी गई।

मुख्य सचिव को अतिथि माता कॉन्सेप्ट से भी अवगत कराया गया जिसमें विद्यार्थियों की माताओं एवं महिला अभिभावकों को विद्यालय में आमंत्रित कर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता स्वच्छता और पोषण मानकों एवं वितरण व्यवस्था का निरीक्षण करवाया जाता है।

बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन के स्वाद और गुणवत्ता परीक्षण के लिए भोजन भी करवाया जाता है। जिस पर माताएं एवं महिला अभिभाव अपनी प्रतिक्रिया भी दर्ज करवाती हैं। इस पहल के अन्तर्गत अभी तक 55 लाख 19 हजार 810 अतिथि माताओं द्वारा विद्यालयों का भ्रमण कर मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का अवलोकन किया गया है।

बैठक में स्कूल शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव,यूडीएच अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता, ग्रामीण विकास के शासन सचिव कृष्ण कुणाल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति के शासन सचिव अम्बरीष कुमार, संयुक्त सचिव वित्त (व्यय) डॉ. भारती दीक्षित, आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मलावत, मिड-डे-मिल आयुक्त विश्व मोहन शर्मा, शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं पी एम पोषण योजना से जुड़े अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सुमेरपुर के तख्तगढ़ में डेढ़ करोड़ की लागत से बनेगा बहुउदेशीय पशु चिकित्सालय : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। पाली जिले की सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के तख्तगढ़ कस्बे में रविवार को पशुपालकों को एक बड़ी सौगात मिली। पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने तख्तगढ़ में राजकीय बहुउदेशीय पशु चिकित्सालय के नए भवन निर्माण कार्य का विधि-विधान से शिलान्यास किया। इस आधुनिक चिकित्सालय भवन का निर्माण डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से करवाया जाएगा।

नया भवन बनने तक पशु चिकित्सालय के अस्थाई कार्यालय को हनुमान गली, गौगरा रोड स्थित सामुदायिक भवन में शिफ्ट किया गया है, ताकि पशुओं के उपचार की सेवाएं बाधित न हों। इस नए बहुउदेशीय पशु चिकित्सालय में पशुओं के लिए आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, इनडोर व आउटडोर वार्ड, सोनोग्राफी व एक्स-रे जैसी आधुनिक जांच सुविधाएं और दवाइयों के लिए उचित भंडारण की व्यवस्था उपलब्ध होगी। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय भाजपाइयों और ग्रामीणों ने मंत्री कुमावत का साफा व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा- हमारी सरकार राजस्थान के ग्रामीण अंचलों की अर्थव्यवस्था की रीढ़, यानी हमारे पशुपालकों और किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राजस्थान देश का दूसरा सबसे बड़ा पशुधन वाला राज्य है, और हमारे ग्रामीण परिवारों की आजीविका सीधे तौर पर गोवंश और अन्य पशुधन से जुड़ी है। तख्तगढ़ में बनने वाला यह डेढ़ करोड़ का बहुउदेशीय पशु चिकित्सालय इस पूरे क्षेत्र के मूक पशुओं के लिए संजीवनी साबित होगा और पशुपालकों को अब गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमने सुमेरपुर, बाली और तख्तगढ़ के पशु चिकित्सालयों के सुदृढ़ीकरण के लिए 5 करोड़ रुपए की विशेष मंजूरी दिलवाई थी, जिसके तहत आज तख्तगढ़ में इस भवन निर्माण का कार्य शुरू हो रहा है। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर पशु चिकित्सालय और उप-केंद्रों की सुदृढ़ व्यवस्था हो, ताकि हर बीमार पशु को समय पर और आधुनिक इलाज मिल सके।

राजस्थान में कई जगह बारिश, तापमान में गिरावट

जयपुर। राजस्थान में सक्रिय एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से राज्य के कई हिस्सों में बीते 24 घंटे में बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार सोमवार सुबह तक के 24 घंटे में राज्य में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश रेलमगरा (राजसमन्द) में 23.0 मिलीमीटर दर्ज की गई। आंधी-बारिश की गतिविधियों से राज्य में अधिकतम तापमान में गिरावट आई है।

इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.0 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में रहा। मौसम केंद्र के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से राज्य के कुछ हिस्सों में दोपहर बाद आंधी बारिश की गतिविधियां आगामी चार से पांच दिन तक जारी रहने की संभावना है।

सरकार नाम की चीज नहीं : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर हमला बोलते हुए सोमवार को कहा कि राज्य में सरकार नाम की चीज नहीं है। उन्होंने सरकार पर कानून व्यवस्था से लेकर शिक्षा व स्वास्थ्य सहित अनेक मोर्चों पर विफल रहने का आरोप लगाया। गहलोत ने अजमेर में संवाददाताओं से कहा, राजस्थान में जबसे यह सरकार आई, तबसे लोगों में हाहाकार मच गया है। सरकार नाम की चीज नहीं है। 'डबल इंजन' की बात की गई ... (पर) दुष्कर्म (के मामले) बढ़ गए, दवाइयां मिलनी बंद हो गई... कानून व्यवस्था की स्थति चौपट हो गई है। शिक्षा हो या स्वास्थ्य ...सभी क्षेत्रों में सुनवाई नहीं हो रही है।

उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में डबल इंजन सरकार के मायने क्या है? लोगों में ऐसा संदेश गया था कि 'डबल इंजन' दिल्ली वाला आ जाएगा तो हमारे यहां शानदार प्रशासन मिलेगा। जबकि उलटा हो गया। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार को जनता के हित में इस स्थिति को गंभीरता से लेना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भीषण गर्मी के बीच राज्य के कई हिस्सों में पेयजल संकट का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया, लोग पानी के लिए जूझ रहे हैं और उन्हें भारी पैसे देकर पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। यह सरकार ऐसे विकट मौसमी हालात में भी राहत देने में नाकाम रही है।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएएचएस) के तहत अस्पतालों को किया जाना वाला भुगतान अटका है जिससे मरीज और पेंशनभोगी परेशान हैं क्योंकि उन्हें समुचित इलाज नहीं मिल रहा है। अपनी सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं का ज़िक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि लोगों के पास आज भी गत सरकार की 'अन्नपूर्णा योजना' के थैले दिखते हैं जो उनकी योजनाओं के असर को दिखाता है। उन्होंने कहा, जनता को 'डबल-इंजन सरकार' से बहुत उम्मीदें थीं लेकिन लोग निराश हैं क्योंकि कई वादे पूरे नहीं हुए हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होने सहित अन्य मुद्दों पर गहलोत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का समर्थन किया जिन्होंने कथित गड़बड़ियों को लेकर चिंता जताई थी।

प्रशासनिक लापरवाही पर सख्त कार्रवाई, 20 अधिकारी बर्खास्त और 322 कर्मी निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने भ्रष्टाचार व प्रशासनिक लापरवाही पर सख्त कार्रवाई करते हुए 20 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया जबकि 332 कर्मचारियों को निलंबित और 17 कर्मियों की पेंशन रोक दी गयी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिए कि दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसेवा का दुरुपयोग भ्रष्टाचार या कर्तव्य की उपेक्षा के लिए नहीं किया जा सकता। शर्मा ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य जवाबदेही बढ़ाना और पारदर्शी शासन सुनिश्चित करना है।

बर्खास्त किए गए अधिकारियों में एक राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) अधिकारी सहित चिकित्सा, शिक्षा, खनन और लोक निर्माण विभाग के कई अधिकारी शामिल हैं। बयान के मुताबिक, 100 से अधिक मामलों में अभियोजन की अनुमति दी गई है जबकि सैकड़ों मामले जांच के अधीन हैं। सरकार ने सेवानिवृत्त अधिकारियों पर भी कार्रवाई की है।

भ्रष्टाचार और कदाचार से जुड़े कई मामलों में पूर्ण पेंशन रोक दी गई है, जिससे संकेत मिलता है कि सेवा के बाद भी कार्रवाई जारी रहेगी। बयान में बताया गया कि 577 मामलों में जांच जारी है और कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जो अधिकारी ईमानदारी से जनता की सेवा नहीं करेंगे, उन्हें सरकारी सेवा में नहीं रखा जाएगा।

मुख्य सचिव ने 'राजस्थान विकास मॉडल' और नवाचारों की हुई राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'राजस्थान विकास मॉडल' और नवाचारों की देशभर में सराहना हो रही है। मुख्य ड्डसचिव वी. श्रीनिवास की गत दिनों नई दिल्ली में विभिन्न मंत्रालयों के आला अधिकारियों के साथ हुई बैठक में सभी ने इस मॉडल की सराहना की है। अब मुख्य सचिव ने राज्य के संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए हैं कि विकास व व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों को और अधिक गति के साथ लागू करें। मुख्य सचिव ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में कहा कि प्रदेश में ग्राम विकास चौपाल, ग्राम रथ अभियान, मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान, चंदन वन, माय भारत एवं राज उन्नति जैसी राज्य सरकार की पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों के रूप में पहचान मिली है। उन्होंने बताया कि कई राज्यों द्वारा इन पहलों के क्रियान्वयन में रुचि भी दिखाई गई है। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को राज्य सरकार के इन नवाचारों का प्रभावी डॉक्यूमेंटेशन करने तथा सफलता की कहानियां तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में एचआरआरएल रिफाइनरी परियोजना के शीघ्र लोकार्पण, सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क विस्तार तथा वैकल्पिक ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देने संबंधी कार्यों में प्रगति लायी जाए।

मंडोर गार्डन में टॉय ट्रेन के ड्राइवर की लापरवाही से 5 साल की मासूम की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। सूर्यनगरी जोधपुर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मंडोर गार्डन से एक बेहद हृदयविदारक खबर सामने आई है। यहाँ अपने माता-पिता के साथ घूमने आई एक 5 साल की मासूम बच्ची की टॉय ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना के बाद से ही पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है।ड्डमिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार अपनी 5 साल की बेटी के साथ मंडोर गार्डन घूमने गया था। गार्डन में चल रही टॉय ट्रेन के ड्राइवर की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ड्राइवर ट्रेन को बेहद तेज गति से चला रहा था और इसी दौरान उसने अचानक बेहद जोरदार ब्रेक लगा दिया।

ब्रेक का झटका इतना तेज था कि ट्रेन में बैठी 5 साल की मासूम बच्ची उछलकर बाहर जा गिरी। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, बच्ची टॉय ट्रेन के चक्कों के नीचे आ गई और उसके ऊपर चक्के फिरने से मासूम की मौके पर ही मौत हो गई।ड्डइस भयानक झटके के कारण केवल बच्ची ही नहीं, बल्कि ट्रेन में सवार एक 20 साल की युवती भी उछलकर बाहर गिर गई।

युवती को गंभीर चोटें आई हैं। उसे तुरंत इलाज के लिए मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ फिलहाल उसका इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस घोर लापरवाही को लेकर मृतका के माता-पिता ने स्थानीय पुलिस थाने में टॉय ट्रेन ड्राइवर के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

स्वागत

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का सोमवार को राजस्थान के किशनगढ़ में 'संगठन सृजन अभियान' के तहत हो रहे ट्रेनिंग कैंप से पहले किशनगढ़ एयरपोर्ट पर पहुंचने पर कांग्रेस नेताओं ने स्वागत किया।

विशिष्ट शासन सचिव वित्त शिवांगी स्वर्णकार ने राजस्थान संपर्क पोर्टल केंद्र का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वित्त विभाग की विशिष्ट शासन सचिव (बजट) श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार ने सोमवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क (181) हेल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण किया। श्रीमती स्वर्णकार ने केंद्र के विभिन्न काउंटर्स का निरीक्षण कर वहां कार्यरत कॉल सेंटर एग्जीक्यूटिव्स के कार्य की सराहना की और जन शिकायतों के पंजीकरण की संपूर्ण तकनीकी प्रक्रिया को समझा। उन्होंने मौके पर लाइव कॉल्स के माध्यम से संवाद की गुणवत्ता को परखा तथा प्रतिनिधियों को और अधिक संवेदनशीलता

के साथ आमजन की बात सुनकर त्वरित रिस्पांस देने के लिए प्रोत्साहित किया।

निरीक्षण के दौरान विशिष्ट शासन सचिव ने वित्त , पेंशन और कोषालय से संबंधित प्रकरणों की गहन समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागों से प्राप्त प्रकरणों, सेवानिवृत्त राजकीय कार्मिकों के जीपीएफ , उपार्जित अवकाश और पेंशन लाभ से जुड़े मामलों के निस्तारण की गति को और तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीकी या प्रशासनिक स्तर पर आने वाले आक्षेपों का बिना किसी विलंब के त्वरित निराकरण कर बिलों का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जाए, परिवादियों को उनके न्यायोचित लाभ अविलंब और सुगमता से मिल सकें। इस दौरान सब्जेक्ट रिवीजन, लेवल मैपिंग एवं कैटेगरी निर्धारण की प्रक्रिया को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्या समाधान होने पर परिवादी से बात कर फीडबैक ले, यदि समाधान में समय लगने की सम्भावना है या नियम/बजट के चलते कार्य सम्भव नहीं है तो इसकी सूचना भी विनम्रता से परिवादी को दें।

बंगाल मंत्रिमंडल विस्तार: 35 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली, आज विभागों का बंटवारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भाजपा विधायक स्वपन दासगुप्ता, तापस रॉय और शंकर घोष उन 35 विधायकों में शामिल हैं, जिन्होंने पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल के विस्तार के तहत सोमवार को मंत्री पद की शपथ ली। राज्य में पहली भाजपा सरकार की विस्तारित मंत्रिपरिषद में भौगोलिक, जातीय और लैंगिक आधार पर सावधानीपूर्वक संतुलन स्थापित किया गया है।

राज्यपाल आर. एन. रवि ने यहां लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में 35 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, मंत्रिमंडल के मौजूदा सदस्य और राज्य प्रशासन के वरिष्ठ नौकरशाह उपस्थित थे। भाजपा के 13 विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि तीन को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 19 अन्य को राज्य मंत्री के रूप में मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया।

कैबिनेट मंत्री तापस रॉय ने बताया, ''मंत्रियों के विभागों का बंटवारा बुधवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में होगा।'' शुभेंदु अधिकारी के अलावा पांच कैबिनेट मंत्रियों ने पहले ही 9 मई को शपथ ली थी। मंत्रिपरिषद के सदस्यों की कुल संख्या वर्तमान में 41 है, जो 294 सदस्यीय राज्य विधानसभा में संविधान द्वारा निर्धारित अधिकतम सीमा 44 से तीन कम है। मंत्रिपरिषद के सदस्य बंगाल के

समाज के विभिन्न वर्गों से हैं। मंत्रियों में डॉक्टर, शिक्षाविद् और पत्रकार शामिल हैं। भाजपा ने बिधाननगर सीट जीतने वाले कैंसर रोग विशेषज्ञ (ऑन्कोलॉजिस्ट) शरदवत मुखर्जी और खरदाहा के प्रोफेसर कल्याण चक्रवर्ती को कैबिनेट मंत्री के रूप में शामिल किया है। बेहाला पश्चिम के एक अन्य ऑन्कोलॉजिस्ट इंद्रनील खान को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया, जबकि राजनीति में आने से पहले घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली कलिता माझी को राज्य मंत्री बनाया गया। पत्रकार से नेता बने स्वपन दासगुप्ता, जिन्होंने दक्षिण कोलकाता की प्रतिष्ठित रासबिहारी सीट जीती, और बीरभूम के सूरी से जगन्नाथ चट्टोपाध्याय को भी कैबिनेट मंत्री बनाया गया। भाजपा विधायक राजेश महता और मालती आर. रॉय ने भी सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली। राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेने वालों में जोयेल मुर्मू, अशोक डिंडा, आनंदमय बर्मन, कौशिक चौधरी, गार्गी दास घोष, भास्कर भट्टाचार्य, दिबाकर घरामी और सुमन सरकार शामिल हैं। भाजपा विधायक शांतनु प्रमाणिक, पूर्णिमा चक्रवर्ती और उमेश राय ने भी राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। कूच बिहार में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित माथाभांगा सीट से राजबंशी नेता, मंत्री निसिथ प्रमाणिक की पहले से ही कैबिनेट में उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए, तीन नए मंत्रियों -- फालाकाटा से दीपक बर्मन, सिलीगुड़ी से शंकर घोष और अलीपुरद्वार के कुमारग्राम से मनोज कुमार ओरांव -- को उत्तर बंगाल क्षेत्र से विस्तारित मंत्रिमंडल में जगह दी गई।

घरेलू सहायिका से मंत्री पद तक: भाजपा की कलिता माझी ने कहा, पांच साल बाद भी नहीं बदलूंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कभी घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली और पहली बार भाजपा के टिकट पर विधायक बनीं कलिता माझी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री पद की शपथ ली।

पश्चिम बंगाल के पूर्वी वर्धमान जिले में औसग्राम सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली माझी (37) ने हालिया विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर सभी को हतप्रभ कर दिया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार को 12,535 मतों के अंतर से हराया। माझी के लिए, मंत्री पद उस यात्रा में मील का एक पत्थर है जो गुस्करा के मझपुकुर पारा में शुरू हुई, जहां उन्होंने वर्षों तक राजनीतिक गतिविधियों और घरेलू काम के बीच संतुलन बिठाया। कलिता ने यहां लोक भवन में शपथ लेने के बाद 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरा जीवन इस तरह से बदल जाएगा। मुझ पर विश्वास करने और मुझे हर स्तर पर अवसर देने के लिए मैं अपनी पार्टी की आभारी हूं।'' गुस्करा नगरपालिका क्षेत्र की रहने वाली माझी अपने पति, जो प्लम्बर हैं, और बेटे के साथ रहती हैं। चुनावी राजनीति में उतरने से पहले, उन्होंने अपने परिवार का गुजारा करने के लिए इलाके के घरों में घरेलू सहायिका के तौर पर काम किया। वह एक दशक से अधिक समय से सक्रिय राजनीति में हैं, और जब भाजपा ने उन्हें 2021 के विधानसभा चुनावों में अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित औसग्राम सीट से मैदान में उतारा तो वह पहली बार चर्चा में आईं। हालांकि, माझी उस चुनाव में दूसरे स्थान पर रहीं, लेकिन भाजपा ने उन पर भरोसा बनाये रखा और हालिया चुनाव के लिए उन्हें फिर से टिकट दिया।

पार्टी का यह निर्णय सफल साबित हुआ क्योंकि माझी ने एक लाख से अधिक वोट हासिल किए और यह सीट तृणमूल के हाथों से छीन ली। अपने चुनाव प्रचार अभियान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों और जिन परिवारों के लिए उन्होंने काम किया था, उनके समर्थन ने उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री शिकायत प्रकोष्ठ के जरिये मिलीं 96% शिकायतों का समाधान किया: माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के माध्यम से प्राप्त लगभग 96 प्रतिशत शिकायतों का समाधान कर दिया गया है। जन शिकायत सुनवाई कार्यक्रम के 18वें सत्र के बाद उन्होंने कहा कि इस पहल ने सरकार और लोगों के बीच संबंधों को काफी मजबूत किया है। उन्होंने कहा, ''व्यक्तिगत रूप से प्राप्त 14,651 शिकायतों में से 14,046 शिकायतों यानी 96 प्रतिशत का समाधान पिछले 17 सुनवाई सत्रों में किया जा चुका है। जिला स्तर पर पिछले दो वर्ष में लगभग 2.40 लाख शिकायतों पर सुनवाई हुई है, जिनमें से लगभग 92 प्रतिशत का समाधान किया गया है।

गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग कर रहे मुस्लिम संगठनों की सोच 'पशुवत' : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिजनौर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग कर रहे मुस्लिम संगठनों की कड़ी आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि 'पशुवत' सोच के 'आक्रांता' लोग सनातन परंपरा में 'माता' का दर्जा रखने वाली गाय को पशु बता रहे हैं।

मुख्यमंत्री बिजनौर में पाकिस्तान से विस्थापित 1,645 परिवारों और पूर्व सैनिकों तथा पट्टाधारकों को भूमि अधिकार पत्र के वितरण के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग किए जाने को लेकर जमीयत उलमा-ए-हिंद (एएम गुट) के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और अन्य मुस्लिम संगठनों पर जमकर निशाना साधा। योगी ने कहा, आजकल तमाम मौलवी और मौलाना गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग कर रहे हैं। हमने कहा कि गाय हमारी माता है और हमारा जन्म-जन्मांतर का नाता है। उन्होंने कहा, गाय हमारे लिए पशु नहीं है। पशुवत आपकी (गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करने वाले मुस्लिम संगठनों की) सोच है, जो आप गौ माता को पशु बोल रहे हैं। योगी ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करने वाले मुस्लिम संगठनों पर दोहरा रवैया रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आप एक तरफ गोकशी में शामिल लोगों को प्रश्रय देते हैं और दूसरी तरफ गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करते हैं। योगी ने ऐसे मुस्लिम संगठनों को 'आक्रांता' करार देते हुए कहा, किसी आक्रांता को यह बताने की आवश्यकता नहीं है। गाय तो स्व घोषित राष्ट्र माता है और किसी को उसे राष्ट्र माता घोषित करने की जरूरत नहीं है। मदनी ने पिछले महीने बकरीद से पहले एक बयान में सरकार से गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग की थी। कई प्रमुख मुस्लिम संगठनों ने भी मदनी की इस मांग का समर्थन किया था।

टीएमसी से बदला नहीं चाहती भाजपा, दो विधायकों की शिकायत पर अभिषेक को सीआईडी नोटिस मिला : शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि भाजपा सरकार तृणमूल कांग्रेस से बदला नहीं लेना चाहती और सीआईडी ने सांसद अभिषेक बनर्जी को उनकी ही पार्टी के दो विधायकों की शिकायत के बाद नोटिस भेजा है। उन्होंने बताया कि तृणमूल कांग्रेस के दो विधायकों - रीताब्रता बनर्जी और संदीपान साहा - ने विधानसभा सचिवालय में शिकायत दर्ज कराई है कि शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता नियुक्त करने के पार्टी के प्रस्ताव पर उनके हस्ताक्षर जाली थे। मुख्यमंत्री के संवाददाता सम्मेलन के तुरंत बाद, तृणमूल कांग्रेस ने दोनों विधायकों को दल विरोधी गतिविधियों के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोगों को यह प्रतिशोध जैसा लग सकता है, लेकिन हम ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहते क्योंकि पार्टी (टीएमसी) पहले ही निष्क्रिय हो चुकी है। अभिषेक बनर्जी ने राज्य में भाजपा सरकार द्वारा की गई कार्रवाइयों को लेकर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया है। अधिकारी ने कहा कि सीआईडी द्वारा बनर्जी को सोमवार को उसके समक्ष पेश होने के लिए नोटिस भेजने में न तो भाजपा और न ही सरकार की कोई भूमिका है, यह नोटिस कथित हस्ताक्षर जालसाजी की जांच के सिलसिले में भेजा गया है। फालटा से उम्मीदवार बने जहांगीर खान के 21 मई को होने वाले पुनर्मतदान से दो दिन पहले चुनाव से हटने पर टीएमसी का मजाक उड़ाते हुए उन्होंने कहा, इससे पता चलता है कि पार्टी असल में निष्क्रिय हो चुकी है। हस्ताक्षरों को जाली बताते हुए अधिकारी ने कहा, मैंने सीआईडी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत जालसाजी के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने के लिए कहा है।

पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस धरना देगी : ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कथित हमलों तथा रेहड़ी-पटरी वालों को हटाने संबंधी रेलवे के अभियान के खिलाफ प्रस्तावित धरने को पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद उनकी पार्टी इस पर आगे बढ़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आम लोग और छोटे व्यापारी भय में जी रहे हैं, जबकि रेहड़ी-पटरी वालों को उचित पुनर्वास योजना के बिना हटाया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''लोग भयभीत क्यों हैं? लोग चिंतित क्यों हैं? पूरा माहौल बदल गया है। कोलकाता और बंगाल को अशिक्षित लोगों को सौंप दिया गया है।'' बनर्जी ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के बाद से तृणमूल के 12 कार्यकर्ता मारे गए हैं और हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है, जबकि कई अन्य को अपने घर-बार छोड़ने के लिए मजबूर किया गया है। उन्होंने कहा, ''लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन में व्यवधान डाला जा रहा है।''

देवरिया में चोरी के आरोप में दलित किशोरी को पेड़ से बांधकर पीटा, आरोपी दुकानदार गिरफ्तार

देवरिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में चोरी के आरोप में 14 वर्षीय दलित किशोरी को पेड़ से बांधकर उसकी पिटाई किए जाने की घटना सामने आई है। पुलिस ने घटना का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि तरकुलवा थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव निवासी हरिकेश गुप्ता (24) की किराने की दुकान है। आरोप है कि उसने दुकान में चोरी के संदेह में गांव की 14 वर्षीय किशोरी को पकड़ लिया। ग्रामीणों के मुताबिक, गुप्ता ने किशोरी के बाल पकड़कर उसे पहले पूरे गांव में घुमाया और फिर अपने मकान के बाहर नीम के पेड़ से बांधकर उसकी पिटाई की। एक राहगीर ने घटना का वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार, घटना की सूचना मिलने पर तरकुलवा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और किशोरी को मुक्त कराया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता दलित समुदाय से है।

सिमलीपाल बाघ अभयारण्य में व्यक्ति के कटे पैर मिले, जांच शुरू

बारीपदा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मयूरभंज जिले में स्थित सिमलीपाल बाघ अभयारण्य (एसटीआर) में सोमवार को एक व्यक्ति के कटे हुए पैर बरामद हुए। स्थानीय लोगों का दावा है कि उसकी मौत बाघ के हमले में हुई है। हालांकि, वन विभाग ने कहा है कि मौत के कारणों की जांच की जा रही है और अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता।

वन विभाग के अनुसार, जशीपुर थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव निवासी साधु नाइक रविवार से लापता थे। ग्रामीणों ने कुमुदाबाड़ी के पास झाड़ियों से घिरे एक इलाके में उनके शरीर के अवशेष बरामद किए, जिनमें दोनों पैर शामिल थे। सिमलीपाल बाघ अभयारण्य के उपनिदेशक रमेश कुमार ने बताया कि व्यापक तलाशी अभियान के बावजूद अन्य अंगों का पता नहीं चल सका है।

उन्होंने एक बयान में कहा, ''प्रारंभिक जांच में मौत के कारणों के संबंध में कोई ठोस और निर्णायक साक्ष्य नहीं मिला है। घटनास्थल पर अब तक किसी वन्यजीव की मौजूदगी या हमले की पुष्टि के लिए पंजों के निशान अथवा अन्य सबूत भी नहीं मिले हैं।''

राजग सरकार ने राबड़ी को 'बदले की राजनीति' के तहत सरकारी बंगला खाली करने का आदेश दिया : राजद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेताओं ने बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को सरकारी बंगला खाली करने का आदेश दिए जाने को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की सोमवार को कड़ी आलोचना की। उन्होंने सरकार पर बदले की राजनीति के तहत यह कदम उठाने का आरोप लगाया।

पटना में 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगला, जिसमें वर्तमान में राबड़ी और उनका परिवार रह रहा है, हाल में बिहार सरकार में मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है। नंद किशोर को कुछ हफ्ते पहले 21 हार्डिंग रोड स्थित सरकारी आवास भी आवंटित किया गया था। राजद के प्रधान राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नीतियों की आलोचना करने वाले विपक्षी दलों को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र की खूबसूरती सरकार की कमियों को उजागर करने में है। अगर सरकार कोई गलती करती है, तो विपक्ष का दायित्व है कि वह उसे जवाबदेह बनाए। हालांकि, बिहार में सत्तारूढ़ गठबंधन चाहता है कि विपक्ष हर बात पर सरकार की हां में हां मिलाए, वरना उसे विभिन्न तरीकों से प्रताड़ित किया जाता है। सिद्दीकी ने दावा किया कि बिहार गरीबी और कर्ज जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन सरकार इन मुद्दों के समाधान के बजाय विपक्ष को निशाना बनाने में व्यस्त है। उन्होंने 1 अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास और उपमुख्यमंत्री के लिए निर्धारित 5 देशरत्न मार्ग स्थित बंगले को मिलाकर 'लोक सेवक आवास' बनाए जाने पर भी सवाल उठाया। मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि दोनों बंगलों को मिलाकर संयुक्त मुख्यमंत्री आवास क्यों बनाया गया और उसका नाम 'लोक सेवक आवास' क्यों रखा गया, जबकि उपमुख्यमंत्री अन्य बंगलों में रह रहे हैं।

झारखंड : नीट परीक्षा रद्द होने से हताश लड़की ने आत्महत्या की

कोडरमा/भाषा। झारखंड के कोडरमा जिले में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रही एक छात्रा मृत पाई गई। छात्रा के परिवार ने दावा किया कि परीक्षा रद्द होने से हताश होकर उसने आत्महत्या की। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार रात तेलैया थाना क्षेत्र के चित्रगुप्त नगर में हुई। पुलिस ने बताया कि परिवार के सदस्यों ने छात्रा को रात के खाने के लिए बुलाया, उस वक्त 17 वर्षीय लड़की अपने कमरे में अकेली थी। पुलिस के मुताबिक, काफी देर तक कोई जवाब नहीं मिलने पर परिवार वालों ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और उसे दुपट्टे से लटका हुआ पाया। छात्रा को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तेलैया थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। लड़की के पिता ने बताया कि उनकी बेटी ने तीन मई को नीट-स्नातक की परीक्षा दी थी और उसे अपने प्रदर्शन को लेकर काफी उम्मीद थी। उन्होंने बताया कि परीक्षा रद्द होने के बाद वह परेशान हो गई और उसे डर था कि दोबारा होने वाली परीक्षा पहले की तुलना में कठिन होगी। बीमा एजेंट के रूप में काम करने वाले पिता ने बताया, हमने उसे कई बार समझाया और वो सदमे से उबरती हुई लग रही थी।

ओडिशा: पुलिस हिरासत में यातना के बाद दिहाड़ी मजदूर की मौत, जांच के आदेश

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के गंजाम जिले में पुलिस हिरासत में कथित तौर पर यातना के बाद 32 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर की मौत के मामले में डीजीपी ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। मृतक की पहचान सुशांत साहू के रूप में हुई है, जो कविसूर्यनगर थाना क्षेत्र के सुबलाया गांव के निवासी थे। उन्हें पुलिस ने 25 मई को हिरासत में लिया था। पुलिस ने बताया कि साहू को रविवार रात ब्रह्मपुर के एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। साहू की पत्नी मामाजिन प्रधान ने आरोप लगाया, ''पुलिस ने उन्हें बेरहमी से पीटा...शव पर चोट के निशान थे। पुलिस द्वारा उन पर गर्म पानी डालने से शरीर पर छाले भी पड़ गए।''

प्रधान ने बताया कि साहू को पहले कविसूर्यनगर अस्पताल ले जाया गया और बाद में एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। राज्य पुलिस मुख्यालय ने एक बयान में कहा कि पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई बी खुरानिया ने मानवाधिकार संरक्षण प्रकोष्ठ (एचआरपीसी) को कथित घटना की जांच का आदेश दिया है। दक्षिणी रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) नीति शेखर ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अगर यह पाया जाता है कि हिरासत में व्यक्ति के साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया गया था, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।''

सुरक्षा कारणों से हटाई गई मेस्सी की 70 फुट ऊंची 'अस्थिर' प्रतिमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी की 70 फुट ऊंची प्रतिमा को सोमवार को सुरक्षा कारणों से यहां लेक टाउन से हटा दिया गया। हालिया तूफानों के कारण प्रतिमा ढांचागत रूप से अस्थिर हो गई थी।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के अनुसार, प्रतिमा को बिना किसी नुकसान के उसके चबूतरे से अलग किया गया और एक 'हाइड्रोलिक क्रेन' की मदद से ट्रक पर रखा गया। यह प्रतिमा फिलहाल पीडब्ल्यूडी की निगरानी में रहेगी। इसे दोबारा कहां स्थापित किया जाएगा, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। हालांकि, ऐसी अफवाह है कि राज्य सरकार के अंतिम फैसले के बाद इसे रवींद्र सरोवर या इको पार्क में लगाया जा सकता है। प्रतिमा को लेकर चिंताएं कुछ दिन पहले तब शुरू हुईं, जब स्थानीय लोगों ने लेक टाउन थाने को सूचित किया कि तूफान के दौरान यह प्रतिमा हिल रही थी। पुलिस और पीडब्ल्यूडी कर्मियों द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद ठेकेदार ने प्रतिमा के बुनियादी जोड़ में खराबी की बात कही और अधिकारियों को चेतावनी दी कि यह ढांचा खतरनाक स्थिति में है और इसके गिरने का खतरा है। इस प्रतिमा का अनावरण पिछले साल दिसंबर में मेस्सी की कोलकाता यात्रा के दौरान किया गया था। इस परियोजना का नेतृत्व राज्य के पूर्व मंत्री सुजीत बोस ने किया था, जिन्हें हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नगरपालिका भर्ती घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया है।

सूर्यवंशी को जल्द से जल्द राष्ट्रीय टीम में शामिल किया जाए : मदन लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व कप 1983 विजेता मदन लाल का कहना है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी के पास सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और सुनील गावस्कर जैसी प्रतिभा और सोच है और वह चाहते हैं कि इस 15 साल के खिलाड़ी को जल्द से जल्द राष्ट्रीय टीम में शामिल किया जाए। हालांकि लाल ने कहा कि अगर सूर्यवंशी को तेंदुलकर जैसे दिग्गजों की श्रेणी में शामिल होना है तो उन्हें टेस्ट क्रिकेट में भी खुद को साबित करना होगा।

मदन लाल ने सोमवार को कहा, ''वह (सूर्यवंशी) बहुत प्रतिभाशाली है। सच में उसके पास सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, कपिल देव और सुनील गावस्कर जैसी भगवान की दी हुई प्रतिभा और सोच है। ''

इस पूर्व आल राउंडर ने कहा, ''ऐसे खिलाड़ी सदी में एक बार आते हैं। लेकिन उनकी तरह महान बनने के लिए, उसे टेस्ट क्रिकेट में भी खुद को साबित करना होगा। आयरलैंड के खिलाफ, भारत ए और तीन दिवसीय मैचों में खेलने से वह भारतीय क्रिकेट के मुख्य ढांचे में अच्छी तरह से ढल जाएगा। ''

सूर्यवंशी को अभी-अभी खत्म हुए आईपीएल में 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' चुना गया। वह बल्लेबाजी सूची में सबसे ऊपर रहे, उन्होंने 16 पारियों में 48.50 की औसत और 237.30 के शानदार स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाकर 'ऑरेंज कैप' जीती। उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के एक सत्र में सबसे ज्यादा छक्के (59) लगाने के पिछले आईपीएल रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में 72 छक्के जड़े।

लाल ने कहा कि टी20 अंतरराष्ट्रीय में सूर्यवंशी भारत के मौजूदा शीर्ष तीन बल्लेबाजों की तरह ही बेहतरीन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें डर है कि 'सूर्यवंशी की वजह से कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जा सकता है।' उन्होंने कहा, ''सूर्यवंशी भी अभिषेक, संजू और ईशान जितने ही बेहतरीन हैं। लेकिन ये खिलाड़ी खुद को साबित कर चुके हैं जबकि सूर्यवंशी को अभी उस स्तर पर खुद को साबित करना बाकी है। ''

भारत के पूर्व कोच रह चुके लाल ने कहा, ''कोई भी सूर्यवंशी जैसी बल्लेबाजी नहीं कर सकता। जिस तरह का खेल उन्होंने दुनिया को दिखाया है, वह अविश्वसनीय है। हर कोच चाहेगा कि वह खेले, लेकिन टीम का संतुलन भी देखना पड़ता है। उसे बाहर नहीं बैठना चाहिए, वरना उसका आत्मविश्वास कम हो जाएगा। उसे किसी भी चीज से बचाने का तो कोई सवाल ही नहीं है। ''

सुविचार

भीड़ हमेशा उस रास्ते पर चलती है जो रास्ता आसान लगता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि भीड़ हमेशा सही रास्ते पर चलती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इजराइल से क्या सीखें?

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इस कथन में कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि 'इजराइल के लिए भारत में जबर्दस्त प्रेम है।' भारत के लोग इजराइल को अपना सच्चा मित्र मानते हैं। दोनों देशों के इतिहास में कई समानताएं हैं। इजराइल आतंकवाद से पीड़ित रहा है। इसके हजारों निर्दोष लोगों ने आतंकवाद के कारण प्राण गंवाए हैं। भारत भी पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद का सामना कर रहा है। विदेशी आक्रांताओं ने हमें सदियों तक लहूलुहान किया था। यहूदी भी सदियों तक दुनियाभर में प्रताड़ित होते रहे। आज इजराइल एक मजबूत देश है। वह आत्मविश्वास से भरा हुआ है। उसकी खुफिया एजेंसी 'मोसाद' के कारनामे जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। इजराइल क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटा-सा देश है, लेकिन यह बड़ी-बड़ी ताकतों को नकेल डालना जानता है। इसके पास ऐसा बहुत कुछ है, जिससे अन्य देश सीख सकते हैं। जब इजराइल का निर्माण हुआ था तो इसे रेगिस्तानी और पथरीली जमीन मिली थी... बिल्कुल बंजर, लेकिन इजराइल के लोगों ने अपने भाग्य को कोसने के बजाय मेहनत और विज्ञान का रास्ता अपनाया। उन्होंने रेगिस्तान को हरा-भरा बना दिया। वहां बूंद-बूंद सिंचाई पद्धति से खेत लहलहाने लगे। इजराइल ने फल, सब्जी, अनाज, दूध और शहद उत्पादन में मिसाल कायम की। वहां पेयजल की कमी थी। उसके वैज्ञानिकों ने समुद्री जल का विलवणीकरण कर दिया। इजराइली सरकार ने देश के कोने-कोने में पेयजल की लाइन बिछा दी। इजराइल के युवाओं के लिए सैन्य प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है। जब भी देश को उनकी जरूरत पड़ती है, वे मोर्चे पर जाने के लिए तैयार रहते हैं।

राजनीतिक मतभेद वहां भी खूब हैं, लेकिन जब देशहित की बात आती है तो सब एकजुट हो जाते हैं। इजराइल पर आतंकवादी संगठन आए दिन हमले करते रहते हैं। उन्हें विदेशी समर्थन प्राप्त होता है। इजराइली नागरिकों ने मुश्किल हालात में शांत और अनुशासित रहना सीख लिया है। इस देश में जगह-जगह बंकर बने हुए हैं। जब भी सरकार द्वारा अलर्ट भेजा जाता है, सभी लोग बंकर और सुरक्षित जगहों में छिप जाते हैं। कहीं अफरा-तफरी नहीं मचती। घायलों की मदद के लिए हर कोई तैयार रहता है। घरों में प्राथमिक उपचार का सामान उपलब्ध रहता है। इजराइल में छल-कपट, धोखे, लालच, झूठे वादे और भौतिक लाभ के सब्ज-बाग दिखाकर किसी का धर्मांतरण कराना अपराध की श्रेणी में आता है। जो व्यक्ति ऐसा करता है, वह कठोर दंड पाता है। इस देश की कुल आबादी लगभग एक करोड़ है। इससे ज्यादा लोग तो दुनिया के कई शहरों में रहते हैं। फिर भी इजराइल का वैश्विक प्रभाव बहुत ज्यादा है। यह संख्या से ज्यादा गुणवत्ता पर विश्वास करता है। इसने ज्ञान, विज्ञान और अनुसंधान को अपनी ताकत बनाया है। इसने अपनी सुरक्षा के लिए तकनीक विकसित की। इजराइली ड्रोन और मिसाइलों से दुश्मन थर्राते हैं। हिज़्बुल्लाह, हमास जैसे संगठनों के दर्जनों कमांडरों को इजराइल ने ड्रोन की मदद से ढूंढ़ा और मार गिराया। सात अक्टूबर, 2023 को जब हमास ने इजराइल पर अचानक हमला कर कई नागरिकों की हत्या की थी, तब मोसाद की बहुत आलोचना हुई थी। उसके बाद इजराइल ने बहुत जबर्दस्त पलटवार किया। दुनिया ने देखा कि उक्त कट्टरपंथी संगठनों के आका ही नहीं, ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई तक लपेटे में आ गए। इजराइल लड़ना जानता है, जूझना जानता है। वह अपना अस्तित्व बचाने के लिए हर संभव कोशिश करना जानता है। उसमें 'शत्रुबोध' गजब का है। वहां विदेशी आक्रांताओं, अत्याचारियों और लुटेरों का महिमा-मंडन नहीं किया जाता। वहां आतंकवादियों के लिए मोमबत्ती लेकर कोई नहीं निकलता। जो कौम अपने धर्म और देश के साथ इतनी मजबूती से जुड़ी होती है, वह बड़े से बड़े खतरे का हंसते-हंसते सामना कर लेती है।

ट्वीटर टॉक

22वीं एशियन यू-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 गोल्ड समेत 19 मेडल जीतने के लिए भारतीय टीम को बधाई। यह शानदार परफॉर्मेंस भारत के युवा एथलीटों के पक्के इरादे और बेहतरीन काम को दिखाता है। आने वाले सालों में और भी युवा स्पोर्ट्स में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

-नरेन्द्र मोदी

सुमन कल्याणपुर के निधन से दुखी हूं। उनकी सुरीली आवाज़ और दिल को छू लेने वाले गानों ने भारतीय संगीत और हमारी सांस्कृतिक विरासत में बहुत बड़ा योगदान दिया। अपने गानों के ज़रिए, उन्होंने संगीत प्रेमियों और भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के दिलों में एक खास जगह बनाई।

-ओम बिरला

मशहूर पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर जी का देहावसान संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनकी भावपूर्ण आवाज़ ने पार्श्व गायन को एक नया अंदाज़ दिया था। दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

सच्चाई का पुरस्कार

संत ईसप का जन्म एक गुलाम परिवार में हुआ था, किंतु वह बचपन से ही संस्कारी थे। ईसप के युवा होने पर उनका मालिक उन्हें अन्य दो गुलामों के साथ बाज़ार में बेचने ले गया। वहां दार्शनिक जॉनसन भी एक गुलाम खरीदने आए हुए थे। जॉनसन ने एक गुलाम से पूछा, 'तुम मेरे लिए क्या कर सकते हो।' गुलाम सिर झुकाकर बोला 'जी, जो आप कहें।' दूसरे ने भी इसी प्रकार का जवाब दिया, 'जी, हम दोनों मिलकर सारा काम निपटा देंगे।' अब जॉनसन ने ईसप से पूछा तो वह बड़ी विनम्रता से बोले 'जब सारा काम यह दोनों ही निपटा देंगे तो मेरे करने के लिए बचेगा ही क्या।' ईसप का चतुराई भरा जवाब सुनकर जॉनसन बहुत प्रभावित हुए और उससे पूछा, 'अगर मैं तुम्हें ही खरीद लूं तो क्या तुम ईमानदारी से काम करोगे।' ईसप ने सहजता से जवाब दिया, 'श्रीमान जी, आप मुझे खरीदें या न खरीदें, मेरी ईमानदारी सदा मेरे साथ ही रहेगी।' ईसप की सच्चाई के आगे नतमस्तक होकर जॉनसन ने उन्हें खरीद लिया। यही गुलाम ईसप आगे चलकर उच्चकोटि के साहित्यकार और धर्मपरायण संत बने।

सामयिक

प्रश्नपत्र से बड़ा प्रश्न : क्या सुरक्षित हैं हमारी परीक्षाएँ?

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

सुधार का अर्थ केवल नई तकनीक लाना नहीं है, बल्कि एक ऐसी समग्र व्यवस्था विकसित करना है जिसमें तकनीकी दक्षता, प्रशासनिक जवाबदेही और मानवीय संवेदनशीलता का संतुलन हो। परीक्षा केंद्रों के चयन से लेकर तकनीकी ऑडिट, साइबर सुरक्षा परीक्षण, कर्मचारियों के प्रशिक्षण और शिकायत निवारण तंत्र तक हर स्तर पर सुधार की आवश्यकता है।

देश में इन दिनों एक बार फिर राष्ट्रीय परीक्षाओं की विश्वसनीयता चर्चा के केंद्र में है। पहले नीट-यूजी के प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा प्रबंधन को लेकर उठे विवादों ने लाखों विद्यार्थियों और अभिभावकों को चिंतित किया था। इसके बाद सीबीएसई की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में कथित तकनीकी गड़बड़ियों की खबरें सामने आईं। अब विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली सीयूईटी-यूजी परीक्षा में तकनीकी समस्याओं और परीक्षा केंद्रों पर अव्यवस्थाओं ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। इन घटनाओं ने केवल कुछ परीक्षाओं की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया है, बल्कि उस पूरे तंत्र की विश्वसनीयता को चुनौती दी है, जिस पर करोड़ों युवाओं के सपने और भविष्य आधारित हैं। आज प्रश्न केवल यह नहीं है कि किसी परीक्षा में तकनीकी त्रुटि क्यों हुई, बल्कि यह है कि क्या भारत की परीक्षा व्यवस्था तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया के अनुरूप स्वयं को पर्याप्त रूप से तैयार कर पा रही है। भारत को अक्सर युवाओं का देश कहा जाता है। यहां हर वर्ष करोड़ों विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेते हैं। इन परीक्षाओं का महत्व केवल नौकरी या प्रवेश तक सीमित नहीं होता, बल्कि ये सामाजिक गतिशीलता, अवसरों की समानता और प्रतिभा के सम्मान का माध्यम भी होती हैं। ऐसे में जब किसी परीक्षा की निष्पक्षता पर संदेह उत्पन्न होता है, तो उसका प्रभाव केवल परिणामों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह युवाओं के मनोबल, व्यवस्था के प्रति विश्वास और लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख पर भी पड़ता है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में बार-बार सामने आ रही परीक्षा संबंधी समस्याएं एक गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय बन गई हैं।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की स्थापना वर्ष 2017 में इस उद्देश्य से की गई थी कि देश की प्रमुख प्रवेश परीक्षाओं का संचालन अधिक पेशेवर, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से किया जा सके। इसके माध्यम से जेईई, नीट, सीयूईटी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं को एक सुव्यवस्थित ढांचे के अंतर्गत लाने का प्रयास किया गया। प्रारंभिक वर्षों में यह व्यवस्था अपेक्षाकृत सफल भी दिखाई दी। डिजिटल तकनीक के उपयोग, ऑनलाइन परीक्षाओं और केंद्रीकृत प्रबंधन ने प्रक्रिया को आधुनिक बनाने में मदद की। किंतु समय के साथ अनेक विवादों और तकनीकी चुनौतियों ने यह संकेत दिया कि केवल संस्थागत ढांचा बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी कार्यकुशलता और जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

सीयूईटी-यूजी परीक्षा में सामने आई तकनीकी समस्याएं इसी व्यापक संकट का हिस्सा हैं। कई केंद्रों पर सर्वर संबंधी दिक्कतें, कंप्यूटरों की खराबी, लॉगिन में विलंब तथा परीक्षा संचालन में बाधाएं देखने को मिलीं। डिजिटल परीक्षा प्रणाली का मूल उद्देश्य मानवीय त्रुटियों को कम करना और प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना था, लेकिन जब तकनीक स्वयं समस्या का कारण बन जाए तो विद्यार्थियों के लिए यह दोहरी चुनौती बन जाती है। परीक्षा के दौरान कुछ मिनटों का व्यवधान भी किसी अभ्यर्थी के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या तकनीकी अवसंरचना को पर्याप्त रूप से परखा और मजबूत किया गया था। समस्या का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम परीक्षा के बढ़ते डिजिटलीकरण से जुड़ा है। डिजिटल तकनीक निस्संदेह आधुनिक परीक्षा प्रणाली की आवश्यकता है, किंतु इसके साथ अनेक जोखिम भी जुड़े हैं। साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, सर्वर क्षमता, नेटवर्क स्थिरता और आपदा प्रबंधन जैसी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। भारत जैसे विशाल देश में, जहां लाखों विद्यार्थी एक साथ परीक्षा देते हैं, वहां किसी भी तकनीकी विफलता का प्रभाव बहुत व्यापक हो सकता है। इसलिए केवल तकनीक अपनाना पर्याप्त नहीं है; उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण उसका सुरक्षित, विश्वसनीय और निरंतर परीक्षण किया हुआ होना है।

परीक्षा व्यवस्था के संकट का एक मनोवैज्ञानिक पक्ष भी है, जिस पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। वे अपनी पारिवारिक परिस्थितियों, आर्थिक सीमाओं और व्यक्तिगत संघर्षों के बीच सफलता का सपना देखते हैं। जब परीक्षा में किसी प्रकार की अनियमितता या तकनीकी गड़बड़ी सामने आती है, तो सबसे अधिक आघात इन्हीं विद्यार्थियों को पहुंचता है। उन्हें लगता है कि उनकी मेहनत का मूल्यांकन निष्पक्ष रूप से नहीं हो पाया। यह भावना निराशा, हताशा और व्यवस्था के प्रति अविश्वास को जन्म देती है। कई बार यह मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालती है। इस समस्या का सामाजिक आयाम भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में शिक्षा को सामाजिक और आर्थिक उन्नति का सबसे बड़ा माध्यम माना जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे कस्बों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लाखों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से अपने जीवन में परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। यदि परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता संदिग्ध हो जाए, तो अवसरों की समानता का सिद्धांत कमजोर पड़ने लगता है। तब यह धारणा बनने लगती है कि सफलता केवल प्रतिभा और परिश्रम से नहीं, बल्कि व्यवस्था की कमियों या संयोगों से भी प्रभावित हो सकती है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए चिंताजनक है।

परीक्षा संबंधी विवादों ने संस्थागत जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सार्वजनिक संस्थाओं की विश्वसनीयता उनकी पारदर्शिता और उत्तरदायित्व पर निर्भर करती है। यदि बार-बार एक जैसी समस्याएं सामने आती हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं रह जाती, बल्कि प्रबंधन और निगरानी की विफलता का संकेत बन जाती है। इसलिए आवश्यक है कि प्रत्येक विवाद की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच हो, दोषियों की पहचान की जाए और सुधारात्मक कदमों को समयबद्ध ढंग से लागू किया जाए। केवल आश्वासन देने से विश्वास बहाल नहीं होगा; उसके लिए ठोस कार्रवाई आवश्यक है। हाल ही में गठित विभिन्न विशेषज्ञ समितियों और न्यायिक हस्तक्षेपों ने भी इस बात को रेखांकित किया है कि परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। सुधार का अर्थ केवल नई तकनीक लाना नहीं है, बल्कि एक ऐसी समग्र व्यवस्था विकसित करना है जिसमें तकनीकी दक्षता, प्रशासनिक जवाबदेही और मानवीय संवेदनशीलता का संतुलन हो। परीक्षा केंद्रों के चयन से लेकर तकनीकी ऑडिट, साइबर सुरक्षा परीक्षण, कर्मचारियों के प्रशिक्षण और शिकायत निवारण तंत्र तक हर स्तर पर सुधार की आवश्यकता है।

नजरिया

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मोबाइल :9811051133

एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा।

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा।

प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

'जी' भारत में करेगा फीफा विश्व कप 2026 का प्रसारण

नई दिल्ली/भाषा। भारत में फुटबॉल प्रेमियों के लिए बड़ी राहत की बात है कि 'जी' पर 2026 फीफा विश्व कप का सीधा प्रसारण किया जाएगा क्योंकि 11 जून से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से 10 दिन पहले 'जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस लिमिटेड' ने सोमवार को फुटबॉल की विश्व संचालन संस्था फीफा के साथ आठ साल की भागीदारी की घोषणा की।

इस साझेदारी के तहत 'जी' भारत में विश्व कप 2026 समेत फीफा के सभी मुकाबलों का प्रसारण करेगा। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संस्था फीफा के साथ हुए इस करार के तहत 'जी' फीफा के 39 वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा जिनमें 11 जून 2026 से शुरू होने वाला फीफा विश्व कप भी शामिल है।

अमेरिका, कनाडा और मेक्सिकों विश्व कप 2026 की संयुक्त मेजबानी करेंगे। विश्व कप का टीवी पर सीधा प्रसारण जी एंटरटेनमेंट अपने नए 'यूनाईट8 स्पोर्ट्स नेटवर्क' के जरिए करेगा जबकि इसकी लाइव स्ट्रीमिंग 'जी5' ऐप पर उपलब्ध होगी।

एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि जी एंटरटेनमेंट के पास भारतीय बाजार के लिए फीफा विश्व कप 2026, फीफा विश्व कप 2030, फीफा महिला विश्व कप 2027 के साथ 2034 तक के अन्य अहम फीफा टूर्नामेंट और डॉक्यू-सीरीज कंटेंट के मीडिया अधिकार होंगे।

जी एंटरटेनमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुनीत गोयंका ने कहा, ''हम दुनिया के सबसे बड़े खेल टूर्नामेंट में से एक को भारतीय दर्शकों तक पहुंचाने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मीडिया अधिकार हासिल करने और विशेष खेल चैनल शुरू करने में किया गया हमारा निवेश, इस खेल की लंबी अवधि की संभावनाओं में हमारे पक्के विश्वास को दर्शाता है। ''

हिरासत

नई दिल्ली के शास्त्री भवन में कथित नीट पेपर लीक होने और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा बार-बार मिसमैनेजमेंट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन और क्रांतिकारी युवा संगठन के सदस्यों को हिरासत में लिया।

अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी अस्थायी समझ के बाद गहन वार्ता होनी चाहिए : कलास

इस्लामाबाद/भाषा। यूरोपीय संघ के एक शीर्ष पदाधिकारी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी तरह की अस्थायी सहमति बनने के बाद तेहरान के परमाणु भंडार और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर अवश्य ही गहन बातचीत होनी चाहिए। उन्होंने पश्चिम एशिया में स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान के लिए 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के सहयोग की पेशकश भी की।

यूरोपीय संघ की विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की शीर्ष प्रतिनिधि काजा कलास ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच मुख्य मध्यस्थ रहा है, और इस्लामाबाद के राजनयिक प्रयासों ने दोबारा युद्ध शुरू होने से रोकने में मदद की है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री/विदेश मंत्री इसहाक डार के साथ अपनी बातचीत के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कलास ने कहा कि उनकी यह यात्रा वैश्विक और क्षेत्रीय परिवर्तनों के बीच एक महत्वपूर्ण समय पर हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने पश्चिम एशिया की स्थिति सहित वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की।

अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर समन्वित हमले किए, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई और कई शीर्ष कमांडर मारे गए। ईरान ने महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और इसका इस्तेमाल अमेरिका पर युद्ध समाप्त करने के लिए दबाव बनाने में किया।

कलास ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच नाजुक युद्धविराम को बढ़ाने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक ''बहुत बारीक राजनयिक अवसर'' मौजूद है। उन्होंने कहा, ''फिर भी, अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी अस्थायी समझौते के बाद ईरान के परमाणु भंडार और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन बातचीत होनी चाहिए।''

ईयू पदाधिकारी ने कहा कि उनका संगठन एक स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान में योगदान देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''हम आर्थिक प्रभाव, कठिन परिश्रम से अर्जित परमाणु विशेषज्ञता, खाड़ी देशों के साझेदारों के साथ दीर्घकालिक संबंध और ईरान के साथ प्रत्यक्ष संपर्क लेकर आए हैं।'' उन्होंने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव के बारे में भी बात की और चेतावनी दी कि हालिया संघर्ष के ''गंभीर मानवीय परिणाम'' हो सकते हैं और इससे अस्थिरता और कट्टरता बढ़ सकती है। उन्होंने दोनों पक्षों से संयम बरतने और तनाव कम करने के प्रयास करने का आह्वान किया। कलास ने कहा कि पाकिस्तान एक प्रमुख क्षेत्रीय शक्ति और यूरोपीय संघ का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक वार्ता ने संबंधों को और गहरा करने का साझा संकल्प को रेखांकित किया है। कलास ने कहा कि पाकिस्तान यूरोपीय संघ की जीएसपी+ योजना का प्रमुख लाभार्थी है, लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि निरंतर पहुंच कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों के कार्यान्वयन में प्रगति पर निर्भर करती है।

पाकिस्तान को 2014 में यह दर्जा दिया गया था, जिसे अब 2027 तक बढ़ा दिया गया है।

सलमान खान की 'एसवीसी63' में दमदार किरदार निभाएंगी नयनतारा

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एसवीसी63' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म में पहली बार सलमान खान और साउथ भारतीय अभिनेत्री नयनतारा की जोड़ी बड़े पर्दे पर नजर आने वाली है। हालांकि निर्माता अब तक फिल्म से जुड़ी जानकारियों को गोपनीय रखने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब इससे जुड़ा एक नया अपडेट सामने आया है, जिसने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की शूटिंग इन दिनों मनाली में तेजी से चल रही है। खास बात यह है कि फिल्म में नयनतारा सिर्फ ग्लैमरस किरदार में ही नहीं, बल्कि दमदार एक्शन अवतार में भी दिखाई देंगी। सूत्रों के अनुसार, अभिनेत्री अपने कई स्टंट खुद करने वाली हैं और इसके लिए विशेषज्ञों की निगरानी में तैयारी कर रही हैं। बताया जा रहा है कि सेट पर सलमान खान और नयनतारा की शानदार बॉन्डिंग देखने को मिल रही है, वहीं दोनों की केमिस्ट्री भी दर्शकों के लिए बड़ा आकर्षण बनने वाली है।

सलमान खान ने कुछ समय पहले फिल्म की रिलीज को लेकर जानकारी साझा की थी। अभिनेता के अनुसार, 'एसवीसी63' अगले साल ईद 2027 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दिलचस्प बात यह है कि उसी समय प्रभास की बहुचर्चित फिल्म 'स्पिरिट' भी रिलीज के लिए तैयार है, जिसका निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर सलमान खान और प्रभास की फिल्मों की टक्कर को लेकर अभी से चर्चा तेज हो गई है।

पेट कम करने के लिए खुद को काफी परेशान किया : तापसी पन्नू

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू ने महिलाओं से अपील की है कि वे गैर वास्तविक सौंदर्य मानकों पर खरी उतरने के लिए खुद को परेशान न करें। उन्होंने पेट कम करने के अपने संघर्ष को याद करते हुए यह बात कही। अभिनेत्री ने रविवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट साझा किया और बताया कि पेट के निचले हिस्से की चर्बी कम करने के लिए उन्होंने खुद को काफी परेशान किया था। उन्होंने लिखा, मुझे याद है कि इसे लेकर मेरे मन में एक जुनून था, क्योंकि बड़े होते समय मैं काफी फिट थी, लेकिन मुझे कभी समझ नहीं आया कि पेट के निचले हिस्से की चर्बी हमेशा क्यों बनी रहती थी। मैंने बहुत अधिक और बहुत कठोर व्यायाम किया, यहां तक कि अपनी क्षमता से भी ज्यादा। किसी ने सही कहा है कि जब आप खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालते हैं, तो आपका दिमाग यह संकेत देता है कि शरीर को सुरक्षा की जरूरत है। तापसी ने कहा कि पेट पर थोड़ा उभार होना सामान्य और स्वस्थ है। उन्होंने महिलाओं से उनके शरीर पर ज्यादा दबाव न डालने की अपील की। उन्होंने कहा, आपका शरीर किसी दूसरी लड़की जैसा नहीं दिख सकता, इसलिए इसे स्वीकार करना जरूरी है। मुझे यह बात बहुत देर से समझ आई। मैं खुद को काफी परेशान करती रही।

अभिनेत्री ने कहा, ''बाद में मुझे यह समझ आया कि जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज करना हमेशा फायदेमंद नहीं होता। जब कोई व्यक्ति अपने शरीर को उसकी क्षमता से ज्यादा काम करने के लिए मजबूर करता है, तो शरीर उसे खतरे की तरह देखता है। ऐसे में शरीर खुद को सुरक्षित रखने के लिए पानी जमा करना शुरू कर देता है। कई बार पेट के निचले हिस्से में जो उभार दिखाई देता है, वह सिर्फ फैट नहीं बल्कि पानी रुकने की वजह से भी हो सकता है। जरूरत से ज्यादा वर्कआउट करने से यह समस्या और बढ़ सकती है।''

तापसी ने आगे कहा, ''हर महिला का शरीर अलग होता है और किसी भी दो लोगों की शारीरिक बनावट एक जैसी नहीं हो सकती। महिलाओं के शरीर में हार्मोन लगातार बदलते रहते हैं, जिसका असर शरीर की बनावट पर भी दिखाई देता है।

फ्री बस यात्रा

पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालुरघाट में सोमवार को महिलाओं के लिए राज्य भर में फ्री बस यात्रा योजना लागू होने के बाद महिला यात्री अपने टिकट दिखाती हुईं।

सलमान खान सुलझाएंगे रणवीर सिंह और फरहान अख्तर का विवाद

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'डॉन 3' को लेकर जारी विवाद के बीच अब सलमान खान दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की कोशिश में जुट गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणवीर सिंह के फिल्म से अलग होने के बाद मामला लगातार बढ़ता गया और अब कानूनी विवाद तक पहुंच चुका है। ऐसे में सलमान खान ने रणवीर सिंह और फरहान अख्तर दोनों से बातचीत शुरू की है और उन्हें मतभेद खत्म कर आपसी तालमेल बैठाने की सलाह दी है। बताया जा रहा है कि सलमान का मानना है कि यह सिर्फ दोनों कलाकारों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे बॉलीवुड के लिए बेहतर होगा।

रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर सिंह फिल्म 'डॉन 3' को ज्यादा डार्क और गंभीर अंदाज में पेश करना चाहते थे, जबकि निर्देशक फरहान अख्तर की सोच इससे अलग थी। रचनात्मक मतभेद बढ़ने के बाद रणवीर ने परियोजना से खुद को अलग कर लिया। इसके बाद फरहान अख्तर की कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट ने कथित तौर पर रणवीर से 45 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की। मामला यहीं नहीं रुका और फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने भी रणवीर के खिलाफ असहयोग का आदेश जारी कर दिया।

हालांकि रणवीर सिंह की टीम का कहना है कि वे इस पूरे मामले को निजी स्तर पर सुलझाना चाहते हैं, लेकिन विवाद लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इंडस्ट्री के भीतर भी इस मुद्दे को लेकर चर्चा तेज है। ऐसे में सलमान खान की पहल को फिल्म इंडस्ट्री के लिए सकारात्मक कदम माना जा रहा है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या सलमान की कोशिशों से रणवीर और फरहान के बीच का विवाद खत्म हो पाता है या नहीं।

'ऊंचा लंबा कद फॉरएवर' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कैटरीना कैफ भले ही लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन उनकी लोकप्रियता आज भी बरकरार है। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का गाना 'ऊंचा लंबा कद फॉरएवर' रिलीज कर दिया गया है, जिसने एक बार फिर सभी को नॉस्टैल्जिया का अहसास करवाया। गाने में कैटरीना की कमी जहां फैंस को महसूस हुई, वहीं अभिनेता अक्षय कुमार भी उन्हें याद करते नजर आए। गाने के अंत में अक्षय ने कैटरीना को लेकर ऐसी बात कही, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। दरअसल, फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का गाना 'ऊंचा लंबा कद फॉरएवर' सोमवार को रिलीज कर दिया गया। गाने में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दिशा पाटनी नजर आ रही हैं। नए वर्जन वाले गाने में अभिनेता अक्षय कुमार और अभिनेत्री दिशा पाटनी शानदार डांस मूव्स करते नजर आ रहे हैं। हालांकि, यह गाना साल 2007 में आई फिल्म 'वेलकम' के गाने 'ऊंचा लंबा कद' का रीमिक्स वर्जन है, जिसे नए तरीके से रीक्रिएट किया गया है। इस रीमिक्स ट्रैक पर दुबई में अक्षय कुमार और दिशा पाटनी का एक डांस सीक्वेंस फिल्माया गया है। गाने के आखिरी में, अभिनेता कैटरीना को याद करते हुए बोलते हैं, कैटरीना हम तुम्हें याद कर रहे हैं। 2007 में आई फिल्म 'वेलकम' के गाने 'ऊंचा लंबा कद' में कैटरीना और अक्षय कुमार नजर आए थे। गाने में कटरीना के डांस मूव्स को आज भी पसंद किया जाता है। साथ ही, यह गाना आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहता है।

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में टाइटल ट्रैक को भी रीमिक्स किया गया है, जिसे दर्शकों का काफी प्यार मिला है। इसके अलावा, 'घिस घिस घिस' और 'ऊंचा लंबा कद' जैसे गाने को भी दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं।'वेलकम टू द जंगल' का क्रेज फैंस में देखने को मिल रहा है। यह 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है, लेकिन इसका मिजाज पूरी तरह अलग और अतरंगी है। कहानी में एक्शन, सस्पेंस और कॉमेडी का डबल डोज देखने को मिलेगा।फिल्म में अक्षय कुमार (डबल रोल में) सहित सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज और रवीना टंडन जैसे दिग्गज कलाकारों की भारी भरकम 'स्टारकास्ट' है।

नई वेब सीरीज 'राख' में दिखेंगे अली फजल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अली फजल जल्द ही अपनी नई वेब सीरीज राख के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। 'मिर्जापुर: द मूवी' को लेकर चर्चा में बने अली की इस नई सीरीज का पोस्टर जारी कर दिया गया है। सीरीज में उनके साथ अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसका निर्देशन प्रोसित रॉय ने किया है, जिन्हें चर्चित सीरीज पाताल लोक के लिए जाना जाता है। जारी किए गए पोस्टर में अली फजल पुलिस की वर्दी पहने एक जांच अधिकारी के किरदार में दिखाई दे रहे हैं। कहानी दो लापता किशोरों की तलाश के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके गायब होने से पूरे शहर में दहशत का माहौल बन जाता है। निर्माताओं ने पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, दबे हुए सच हमेशा अपना रास्ता खोज लेते हैं। सीरीज का लेखन और सह-निर्देशन अनुषा नंदकुमार और संदीप साकेत ने मिलकर किया है।

'राख' का वैश्विक प्रीमियर 12 जून को अमेज़न प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। पोस्टर और कहानी की झलक सामने आने के बाद दर्शकों के बीच सीरीज को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। माना जा रहा है कि यह शो सस्पेंस, अपराध और भावनात्मक ड्रामा का दमदार मिश्रण पेश करेगा।

ऐश्वर्या की पहचान उनकी उपलब्धियां हैं, उनका रूप नहीं : माधुरी दीक्षित

नई दिल्ली/भाषा

कान फिल्म महोत्सव के रेड कार्पेट पर अपने लुक को लेकर 'ट्रोलिंग' का सामना कर रहीं अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन के समर्थन में माधुरी दीक्षित खुलकर सामने आई हैं। 'देवदास' की अपनी सह-कलाकार की तारीफ करते हुए माधुरी ने कहा कि ऐश्वर्या एक वैश्विक स्तर की कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी उपलब्धियों और प्रतिभा के दम पर भारत का नाम दुनिया भर में रोशन किया है।पिछले दो दशकों से अधिक समय से कान फिल्म महोत्सव में नियमित रूप से भाग ले रहीं ऐश्वर्या राय बच्चन को इस वर्ष रेड कार्पेट पर उनकी उपस्थिति के बाद सोशल मीडिया पर 'बॉडी-शेमिंग' (किसी व्यक्ति के शारीरिक रूप, वजन, रंग, कद, शरीर के आकार या बाहरी बनावट का मजाक उड़ाना) और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद कई लोगों ने उनके वजन और रूप को लेकर आलोचनाएं कीं।माधुरी दीक्षित ने कहा कि ऐश्वर्या ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए एक शानदार विरासत बनाई है और उनकी उपलब्धियों को नजरअंदाज कर केवल उनके रूप-रंग पर टिप्पणी करना युवाओं के लिए गलत संदेश देता है। उन्होंने कहा, ''वह पिछले 20 वर्षों से वहां जा रही हैं। उन्होंने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। वह एक वैश्विक स्तर की कलाकार हैं। मिस वर्ल्ड बनने के बाद उन्होंने देश के लिए बहुत कुछ किया है।''

माधुरी ने कहा, ''आप किसी व्यक्ति को उसके वजन, कपड़ों या उम्र के आंकड़ों तक सीमित नहीं कर सकते। वह सुंदर हैं और सिर्फ बाहर से ही नहीं, बल्कि दिल से भी सुंदर हैं।'' माधुरी और ऐश्वर्या ने देवदास में साथ काम किया था, जिसमें शाहरुख खान भी मुख्य भूमिका में थे। ऐश्वर्या ने 2002 में इसी फिल्म के प्रीमियर के लिए पहली बार कान में हिस्सा लिया था। उस समय पीली साड़ी में उनकी उपस्थिति ने दुनियाभर का ध्यान आकर्षित किया था और तब से उन्हें अक्सर इस प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सव में भारत का चेहरा माना जाता है। माधुरी ने सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या को लेकर की जा रही टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा, ''लोगों को समझना चाहिए कि इस तरह की टिप्पणियां करके वे आज के युवाओं को क्या संदेश दे रहे हैं। क्या किसी व्यक्ति की कीमत सिर्फ इस बात से तय होती है कि वह कैसा दिखता है, उसकी उपलब्धियों से नहीं? यह पूरी तरह गलत संदेश है।''

हाल ही में अभिनेत्री अनन्या पांडे भी सोशल मीडिया पर आलोचना का शिकार बनी थीं। उनकी फिल्म 'चांद मेरा दिल' के एक दृश्य में भरतनाट्यम और 'हिप-हॉप' के मिश्रण वाले नृत्य को लेकर लोगों ने उन्हें खूब ट्रोल किया। कई लोगों ने उन पर भरतनाट्यम की ''गलत प्रस्तुति'' और सांस्कृतिक अपमान का आरोप लगाया। माधुरी का मानना है कि सोशल मीडिया ने हर किसी को किसी भी विषय पर टिप्पणी करने का मंच दे दिया है। उन्होंने कहा, ''ऐसे लोग पहले भी थे, लेकिन उनके पास अपनी बात कहने का माध्यम नहीं था। आज उनके पास वह माध्यम है।''माधुरी की नेटफ्लिक्स पर आगामी फिल्म 'मां-बहन' में उनकी सह-अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने भी उनका समर्थन किया।तृप्ति ने कहा, ''घर में आराम से बैठकर लोगों पर टिप्पणी करना बहुत आसान है। लेकिन जिन्होंने अपनी जिंदगी में मेहनत करके कुछ हासिल किया है, चाहे वह अनन्या हों या ऐश्वर्या मैम, वे सभी अपनी उपलब्धियों तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर चुकी हैं।''

माधुरी ने कहा कि फिल्मों की समीक्षा पहले भी होती थी, लेकिन अब डिजिटल मीडिया के दौर में हर छोटी-बड़ी बात 'कंटेंट' बन चुकी है। 'मां-बहन' एक डार्क कॉमेडी फिल्म/सीरीज है, जिसमें हास्य के साथ गंभीर या संवेदनशील विषयों को भी दिखाया गया है। इसमें अभिनेत्री तृप्ति डिमरी, माधुरी दीक्षित के अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर धरना दुर्गा और अभिनेता रवि किशन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर चार जून को रिलीज होगी।

रिलीज होते ही छाया 'द पिरामिड स्कीम' का ट्रेलर

मुंबई/एजेन्सी

द वीरक फीवर (टीवीएफ) ने अपनी नई वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' का ट्रेलर जारी कर दिया है। यह सीरीज पिरामिड मार्केटिंग के गोरखधंधों और झटपट अमीर बनने के लालच के इर्द-गिर्द बुनी गई है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे बड़े सपनों और आसान कमाई के वादों के जरिए आम लोगों को इस जाल में फंसाया जाता है। सीरीज में रणवीर शौरी मनोज नाम के एक आम इंसान की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि परमवीर सिंह चीमा गोल्डी के किरदार में दिखाई देंगे। सीरीज में रणवीर और परमवीर के अलावा शेखर सुमन और अंजन श्रीवास्तव भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। रणवीर शौरी ने इस शो को जमीनी, परतदार और इंसानी स्वभाव को करीब से दिखाने वाली कहानी बताया है। वहीं, परमवीर सिंह चीमा ने कहा कि टीवीएफ के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास रहा और इससे उनका किरदार और भी वास्तविक महसूस हुआ। 'द पिरामिड स्कीम' का प्रीमियर 5 जून को अमेज़न प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही दर्शकों के बीच सीरीज को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। यह शो मनोरंजन के साथ-साथ तेजी से पैसे कमाने की चाह में होने वाले जोखिमों और धोखाधड़ी के पहलुओं को भी सामने लाने की कोशिश करेगा।

जरूरतमंदों को फुटवियर का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एफटीएस चेन्नई महिला समिति द्वारा गत दिनों समिति के सदस्यों द्वारा सरकारी महिला एवं बाल अस्पताल में फुटवियर वितरण किया गया। यह प्रोजेक्ट पिछले वर्ष गर्मियों की तेज़ धूप और गर्मी में राहगीरों को राहत देने के विचार से शुरू किया गया था। इस वर्ष अधिक मास के पावन अवसर के कारण करीब 2000 चप्पल सदस्याओं ने स्वयंदान के लिए खरीद लीं। इनमें से कुछ चप्पलों को वितरण हेतु रखा गया। अस्पताल में लगभग 150 चप्पलों का वितरण, कैंसर वार्ड में पुरुषों और महिलाओं तथा ऑपरेशन थिएटर स्टाफ के बीच किया गया। सदस्या ग्रीष्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया उन्होंने बताया कि संक्रांति प्रभारी श्रीमती सुशीला का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने चप्पलों की खरीद व्यवस्था, सदस्यों की लिस्ट का संकलन कर उन तक पहुँचाने का कार्य सुचारू रूप से संपन्न किया।

तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों पर जागरूकता फैलाने के लिए वॉकथॉन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जीआरटी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स द्वारा वॉकथॉन 2026 का सफल आयोजन किया गया। होटल समूह की ग्रेट बीइंग पहल के अंतर्गत यह कार्यक्रम पांच राज्यों में आयोजित किया गया । इस वॉकथॉन में करीब 1500 प्रतिभागियों–अतिथि, कर्मचारी, परिवार और स्थानीय नागरिको ने तीन किलोमीटर की सामूहिक पदयात्रा कर तंबाकू मुक्त भविष्य का संदेश दिया। इस अवसर पर जीआरटी होटल के सीईओ विक्रम कोटाह ने कहा कि वॉकथॉन से हम सामूहिक प्रतिज्ञा लेते है कि हम स्वास्थ्य के लिए हानिकारक आदतों से दूर रहकर पहली प्राथमिकता अपने स्वास्थ्य को देंगे। वॉकथॉन के इस कार्यक्रम से सामुदायिक स्वास्थ्य, शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा दिया गया। प्रतिभागियों ने सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया और तंबाकू के दुष्प्रभावों पर जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

केवीबी द्वारा प्रीमियम क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। करूर वैश्य बैंक (केवीबी) ने चेन्नई में शनिवार को अपने प्रीमियम क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो का शुभारंभ किया। यह नई श्रृंखला प्लेटिनम, सिग्नेचर, वीजा और इनफिनिट श्रेणियों में प्रस्तुत की गई है जिसे बैंक ने अपने समृद्ध ग्राहकों की जीवनशैली और आधुनिक खर्च की प्रवृत्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया है।

इस पोर्टफोलियो में चार प्रमुख कार्ड सम्मिलित किए गए है जिनमें मुख्यत है समारा (वीजा सिग्नेचर), अल्टुरा (वीजा इनफिनिट) ऑरा (वीजा प्लेटिनम), और इटर्निस (वीजा इनफिनिट)। इन कार्डों के माध्यम से ग्राहकों को यात्रा, भोजन, मनोरंजन और प्रीमियम जीवनशैली से जुड़े विशेष लाभ प्रदान किए जाएंगे। नए कार्ड के लॉन्च के अवसर पर बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रमेश बाबू ने कहा कि यह पहल ग्राहकों के बदलते खर्च आदतों को ध्यान में रख कर की गई है इसमें एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस, होटल साझेदारी, डाइनिंग सदस्यता, ओटीटी सब्सक्रिप्शन और विदेशी मुद्रा पर शून्य शुल्क जैसी सुविधाएं प्राप्त होगी।

धर्म का प्राण और साधना का राजमार्ग है नैतिकता का भाव : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मल्लेश्वरम स्थित स्थानक भवन में विराजित कमलमुनिजी कमलेश ने सोमवार को अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि कोई व्यक्ति कितनी ही धार्मिक उपासना, कठोर साधना, तीर्थ यात्रा, दान सब कर ले परंतु ईमानदारी और नैतिकता के दर्शन उसके जीवन में नहीं होते हैं तो धार्मिक कहलाने का अधिकारी नहीं हो सकता है। नैतिकता धर्म का प्राण और साधना का राजमार्ग है। विश्व के सभी धर्मों में नैतिकता को सर्वोपरि स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण, महावीर जैसे महापुरुषों की पावन धरती पर भ्रष्टाचार, मिलावट, धोखाधड़ी, अनीति, अन्याय, घोटाले का नंगा नाच होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। नैतिकता के बिना धार्मिक चर्चा करना धर्म के साथ छलावा, धोखा और सरासर परमात्मा का अपमान करने के समान है। जैन संत ने कहा कि धार्मिक क्षेत्र में धर्म के नाम पर अनैतिकता का पांव पसारना चिंता जनक विषय है। धर्मगुरु नैतिकता का पालन करने वाले को ही धार्मिक उपासना करने का अधिकार प्रदान करें।

सांसद गौरव रत्न से नामित सांसद लुंबाराम चौधरी का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के श्री राजेश्वर भवन जहां सांसद गौरव रत्न के लिए नामित होने पर प्रवासियों द्वारा आयोजित सम्मान समारोह एवं अभियान बैठक में पहुंचे सांसद लुंबाराम चौधरी एवं मातृभूमि के गौरव एवं मातृशक्ति के सम्मान को समर्पित भव्य उत्सव करने वाले देश के पहले गांव नांदिया में नमामि मात नांदिया महोत्सव के निमंत्रण एवं जालोर भाजपा प्रवासी जोड़ो महाभियान के तहत आगामी प्रवासी शहरों में समस्या समाधान एवं सुझाव बैठकों की पूर्व तैयारी को लेकर इस अभियान के संयोजक सरपंच हिंगलाज चारण एम नांदिया अपने ग्यारह दिवसीय प्रवास पर चेन्नई पहुंचे।

चेन्नई में श्री राजेश्वर भगवान दर्शन कर कार्यक्रम स्थल स्वागत उपरांत अपने उद्बोधन में सांसद चौधरी ने देश के सर्वोत्तम सांसद के खिताब एवं अपने द्वारा रेलवे, हाइवे सहित स्वीकृत होने वाले रिकॉर्ड कार्यों को क्षेत्र की जनता जनार्दन के आशीर्वाद का प्रतिफल मानकर अपनी सरलता का परिचय दिया वही अपनी ओर से देश के दो बड़े तीर्थ जोड़ने हेतु रामदेवरा से रामेश्वरम रेलवे प्रारंभ करने की सरकार में प्रस्ताव भिजवाया बताया। जिसकी स्वीकृति मिलने पर श्रद्धालुओं एवं प्रवासियों दोनों के लिए ऐतिहासिक कार्य होगा जिसका सभी ने करतल ध्वनि से अग्रिम धन्यवाद दिया साथ ही भाजपा जालोर के इस प्रवासी जोड़ो अभियान की सराहना करते हुए जहां नियोजित होगा वहां अपनी उपस्थिति देने सहित प्रवासियों के लिए तत्पर रहने का विश्वास दिलाया। वही आगामी पंचायतीराज चुनाव सहित केंद्र सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में भागीदार बनने एवं जन्मभूमि के प्रति अपने कर्तव्य को प्राथमिकता देने का आग्रह किया ।

जहां संयोजक चारण नांदिया ने अपने प्रवास के तीन उद्देशों पर चर्चा के क्रम में सबसे पहले गांव में हर वर्ष श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित होने वाले राष्ट्रभक्ति एवं सांस्कृतिक वैभव के प्रतीक नमामि मात नांदिया महोत्सव रूपरेखा विस्तार से बताते हुए सभी को इसमें सपरिवार पधारने का निमंत्रण दिया साथ ही बताया कि करीब 11वर्ष पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष रूप में ऐसे ही प्रवास कर प्रवासी युवाओं की बड़ी संख्या को संगठन के साथ जोड़ने का देश में पहला अभियान चलाया था उसी तर्ज पर भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित से चर्चा कर पुनः आगमी दिनों प्रवासी सभी बड़े शहरों में बड़ी बैठके करके उसमें शीर्ष नेतृत्व को यहां लाकर कार्यकर्ता समस्या समाधान एवं सुझाव बैठकों का आयोजन किया जाएगा साथ आगामी दिनों पंचायती राज एवं नगरीय निकाय के चुनाव है जो विकास की सबसे मुख्य कड़ी होती है इस चुनाव को भी केंद्र एवं राज्य वाले मुख्य चुनाव की तरह मानकर इसमें विजय की भूमिका निभाने का आह्वान किया।

आयोजन में रामदेव मंडल अध्यक्ष मंगल सिंह, आंजणा समाज ट्रस्ट अध्यक्ष तगाराम, जालोर सिरोही प्रवासी संघ जीतू भाई लोहार व नरपत सिंह रेवतड़ा, श्रीअखिल भारतीय चारण–गढ़वी महासभा तमिलनाडु के अध्यक्ष हिंगलाजदान चारण आकली सहित सभी समाजों के प्रवासी संघ पदाधिकारी मातृशक्ति एवं प्रवासियों की उपस्थिति रही।

तीर्थंकर की भक्ति कभी निष्फल नहीं जाती : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कुमारापार्क में विराजित डॉ. समकितमुनि ने अपने दैनिक प्रवचन में परमात्मा की भक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि तीर्थंकर परमात्मा के नाम स्मरण मात्र से ही आत्मा के सर्व कार्य सिद्ध हो जाते हैं। केवल तीर्थंकर ही हैं जो हमें बोधि लाभ देते हैं, मुक्ति का सच्चा मार्ग दिखाते हैं और जीवन के अंत में उत्तम समाधि प्रदान करते हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि संसार में की गई हर मेहनत व्यर्थ हो सकती है, लेकिन तीर्थंकर की भक्ति कभी निष्फल नहीं जाती। जिसने एक बार सच्चे मन से तीर्थंकर का सहारा ले लिया, उसे फिर दुनिया के किसी अन्य सहारे की आवश्यकता नहीं रहती। संसार कभी हमारा सच्चा शरणदाता नहीं बन सकता।

मुनिश्री ने कहा कि यह संसार और इसके लोग हमारे तभी तक काम आते हैं, जब तक हमारा पुण्य प्रबल है। जिस दिन पुण्य क्षीण होगा, यह संसार भी मुँह मोड़ लेगा। मुनिश्री ने कहा कि सर्व मंगलों में सबसे प्रथम और श्रेष्ठ मंगल केवल तीन ही हैं देव, गुरु और धर्म। इनके अलावा दुनिया में कोई भी मंगल शाश्वत नहीं है। यह संसार आज तुम्हारा सहारा बना हुआ है, लेकिन कल यही तुम्हें बेसहारा भी कर सकता है। सांसारिक मंगल कभी भी अमंगल में बदल सकते है, लेकिन 'धर्म का शासन' सदा मंगलकारी रहता है।

मुनिश्री ने सफलता का अचूक मंत्र देते हुए कहा कि स्वयं को धर्म में सेट कर लो, तुम्हारा अगला जन्म अपने आप परफेक्ट हो जाएगा। धर्मसभा के अंत में मुनिश्री ने कहा कि तुम इस संसार, परिवार, व्यापार और मोबाइल के लिए दिन भर का समय निकालते हो, क्या अपनी आत्मा के लिए तुम्हारे पास समय नहीं है? अपने लिए 24 घंटे में से मात्र 1 घंटा निकालो और प्रतिदिन कम से कम एक 'सामायिक' अवश्य करो।

ब्यावर एसोसिएशन द्वारा 600 बच्चों को 30 लाख की छात्रवृति प्रदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ब्यावर एसोसिएशन ट्रस्ट का 21 वा छात्रवृति वितरण समारोह 31 मई को भवंस स्कूल के ऑडिटोरियम किलपॉक में रखा गया। हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी शाकाहारी स्कूल विद्यार्थियों को छात्रवृति दी गईं। सर्व प्रथम अध्यक्ष प्रकाश चंद बोहरा ने सभी दान दाताओं को धन्यवाद देते हुए उन सभी का स्वागत अभिनंदन किया और आभार व्यक्त किया।

चेयरमैन फूलचंद नाहर ने बताया की छात्रवृति कि प्रक्रिया अप्रैल माह से शुरू होती है और एक टीम जिसमें सभी ब्यावर एसोसिएशन एवं ब्यावर यूथ के सदस्य भाग लेते है और अपना सहयोग देते है उनके अथक प्रयासों से यह कार्य हो रहा है उनका आभार किया। संस्था की प्रक्रिया पूर्ण कर इस वर्ष भी करीब 600 से ज्यादा शाकाहार बच्चों को करीब 30 लाख की छात्रवृत्ति दी जा रही है। सभी चेक स्कूल के नाम से विद्यार्थियों को स्कूल पत्र के साथ दिए जा रहे है। ऐसी जानकारी सहचेयरमैन महावीर पारख तथा कोषाध्यक्ष अनिल कुमार बोकड़िया ने दी।

समारोह के मुख्य अतिथि भामाशाह सुनील खेतपालिया ने कहा कि विद्या के मूल्य को जीवन में कैसे उतारना और उसकी महत्वता कितनी है जिससे जीवन पथ पर अग्रसर हो सकते है उन्होंने कार्यकर्ताओं की भी प्रसंशा की, विशिष्ट अतिथि जी एम सिद्धार्थ मेहता ने अभिभावकों को विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम कर जीवन में एक लक्ष्य हासिल करने हेतु अपनी बात रखी, विशिष्ट अतिथि कन्हैयालाल विमल तालेडा ने विद्यार्थियों के भविष्य की मंगल कामना करते हुए बेटर से बेस्ट बनाने हेतु जोर दिया और अपनी सोच को अधिक विकसित करने हेतु आवाहन किया।

अजित गोठी को गत वर्ष के स्वर्णिम कार्यकाल हेतु ब्यावर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने स्वागत अभिनंदन किया। इस मौके पर समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे। विशेष रूप से ज्ञान विशेष, ज्ञान सूर्य, ज्ञान स्तंभ, ज्ञान पूंज, ज्ञान ज्योति के दान दाताओं का सचिव जम्बूकुमार नाबरिया ने आभार व्यक्त किया। सभी विद्यार्थियों को पढ़ाई सामग्री और कमलेश गुप्ता ने पेन वितरित किए। मंच संचालन अभय लोढा एवं अजय नाहर ने किया। मंत्री जम्बूकुमार नाबरिया ने सभी को धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

अभय श्रीश्रीमाल ने आचार्य महाश्रमण के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन एजुकेशनल सोसायटी के महासचिव अभयकुमार श्रीश्रीमाल जैन ने सोमवार को राजस्थान के लाडनूं में आचार्य महाश्रमण के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। श्रीश्रीमाल ने समाज में समता और समन्वय की जरूरत बताई।

उन्होंने अपनी नई पुस्तक 'सबक' (सटीक बदलाव की कहानियाँ) निवेदित की। साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग द्वारा अनुदित इस पुस्तक में श्रीश्रीमाल के व्यावसायिक सफर के रोमांचक प्रसंग हैं। जैन विश्व भारती के अध्यक्ष अमरचंद लूंकड़ ने श्रीश्रीमाल के व्यक्तित्व की विशेषताएँ बताईं, जिस पर महाश्रमण ने प्रमोद व्यक्त किया। इस अवसर पर श्रीश्रीमाल का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में धर्मीचंद लूंकड़, जयंतीलाल सुराणा, अमृत डागा, नवीन बेंगानी, बजरंग जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

सही हाथों में हो समाज की बागड़ोर, तभी विकास संभव : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

सिंधनूर/दक्षिण भारत। सोमवार को स्थानीय कुंथुनाथ जैन श्वेतांबर समुदाय के तीनों संप्रदायों की संयुक्त सभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सामाजिक विकास की विभिन्न कार्य–योजनाओं और उनकी सफलताओं के संदर्भ में हम सबको पारसी, गुजराती व कच्छी समाज से सीखने की आवश्यकता है। इन समाजों ने डेढ़ सौ–दो सौ वर्ष पहले ही सामाजिक उन्नति के क्षेत्र में ठोस कार्ययोजनाओं को साकार कर परिकल्पनाओं को वास्तविकता में बदल दिया था। अपनी मातृभाषा, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए सांस्कृतिक भवन, मातृभाषा की शिक्षा, शैक्षणिक सहायता, उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति, चिकित्सा के लिए सहयोग और छोटे–बड़े अस्पतालों के निर्माण, सामान्य वर्ग के लिए शहरों में हॉस्टल व सेनिटोरियम, सामूहिक विवाह, कुप्रथाओं के उन्मूलन हेतु चिंतन–मंथन, सामान्य वर्ग के जीवनयापन के लिए जरूरी सभी सुविधाएं, गृहउद्योग द्वारा रोजगार, विधवाओं को आर्थिक सहायता आदि अनेक–अनेक कार्य सुचारू रूप से संपादित हो रहे हैं।ङ्कआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि समाज की बागडोर सही हाथों में होनी चाहिए। टीम में दो–चार भी गलत लोगों के आ जाने से समाज के कार्य रुक जाते हैं और वक्त के साथ चलती सामाजिक विकास की धारा टूट जाती है। लोकतंत्र के नाम पर सामाजिक क्षेत्रों में प्रविष्ट हुई चुनाव की प्रक्रिया में आपसी विवाद, मनमुटाव और वैमनस्य बढ़ रहे हैं। समाज टूट रहे हैं। समाज का भविष्य संदिग्ध और अंधकारमय बन रहा है। हर समाज में आपसी गुटबाजी देखने को मिल रही है। यह किसी भी समाज के लिए शुभ लक्षण नहीं है। विवादों और प्रपंचों से दूर रहने की मानसिकता लेकर सज्जन लोग सामाजिक चुनावों में सम्मिलित ही नहीं होते। ऐसे में दुर्जनों को खुला मैदान मिल जाता है। वे मनमानियां करते हैं।

जिनको धर्म और समाज की परंपराओं का ज्ञान व अनुभव नहीं हैं, ऐसे लोग पदों पर आसीन होकर हुकूमत चलाते हैं। यह सब सामाजिक–धार्मिक अवनति के संकेत हैं। समाज के सभी समर्थ लोगों का सामाजिक विकास के कार्यों में पूर्ण सहयोगी बनें। तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि आलोककुमारजी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मुनि हीमकुमारजी ने कहा कि समय ऐसी अमूल्य निधि है, जो एक बार हाथ से निकल जाती है तो फिर वापस कभी हाथ नहीं लगती है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.